समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अक्टूबर २०२५ • वर्ष ७६ • अंक १०

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

इस अंक में

विशेष पेज-१२

संपादकीय

❑ भाव की जगह साधन प्रधान होते त्योहार

अध्यक्षीय

❑ संस्कृति, सेवा और संगठन की राह पर

आलेख

❑ भव्यता वैभव नहीं सेवा में समर्पित संपन्नता है।

❑ गुरु अमृत की खान

संस्कार-संस्कृति चेतना

❑ दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की पूजा क्यों होती है?

❑ करवा चौथ

❑ मनुष्य का उम्र

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ अक्टूबर २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक १०
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** — ४
  भाव की जगह साधन प्रधान होते त्योहार
- **अध्यक्षीय**
  संस्कृति, सेवा और संगठन की राह पर — ६
- **सम्मेलन समाचार**
  लक्ष्मी गणेश पूजन — ७

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी की पूजा क्यों होती है? — १२
करवा चौथ, मनुष्य का उम्र — १३

- **प्रांतीय समाचार**
  गुजरात, पश्चिम बंग, पूर्वोत्तर, मध्य प्रदेश — ८-१०
- **आलेख**
  भव्यता वैभव नहीं, सेवा में समर्पित संपन्नता है। - राज कुमार सराफ — १४
  गुरु अमृत की खान – चेतन स्वामी — १६
- नए सदस्यों का स्वागत — १८-२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

दीवाली की राम राम सा

दीवाली की राम राम सा
बैयां तो इण महंगाई में
जींणो होयो है हराम सा

चीणी चालिस रिपियाँ किल्लो
के करले अब पूनम ढिल्लो
महंगाई में आटो गिल्लो
चाल बणावां गुड़ को चिल्लो
छोड छाड सा ताम झाम सा
दीवाली की राम राम सा

टाबर घाल रया है घाणी
घाबा नुवां पटाखा ताणी
ले'र सुबै स्यूं संझया ताणी
के करले ममता मरज्याणी
बाकी है सब धूमधाम सा
दीवाली की राम राम सा

चौराहा पर चेल नहीं है
मिनख मिनख में मेल नही है
तेल निकलग्यो गौडां रो पण
दीवो जलावण तेल नहीं है
होणी माता नै सलाम सा
दीवाली की राम राम सा

ताऊ शेखावाटी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

भाव की जगह साधन प्रधान होते त्योहार

शिव कुमार लोहिया

महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि इस धरती पर मनुष्य जीवन से श्रेष्ठ और कुछ नहीं है। भगवान ने मनुष्य को अपने ही रूप में बनाकर भेजा है। विशाल वृक्ष का पूरा नक्शा उसके छोटे से बीज में विद्यमान रहता है। खाद पानी मिलते ही वह अंकुरित होकर अपना रूप प्रकट करना प्रारंभ कर देता है। मानव को उसके असली स्वरूप से भटकाने वाले मोटे तौर पर तीन दोष पाए जाते हैं - वासना, तृष्णा और अहंकार। अपने वास्तविक स्वरूप में मनुष्य जीवन एक उत्सव है, जिसका अनहद संगीत हमारे अस्तित्व में अविरल चलता रहता है। मनुष्य के रस लोक की रक्षा में पर्वों की अखंड यात्रा की विधायक भूमिका रही है। मानव प्रकृति ही ऐसी है कि वह बिना उत्सव के रह ही नहीं सकता। जब पांचो इंद्रियां सक्रिय हो तो मनुष्य अपने जीवन में उत्सव महसूस करने लग जाता है।

हिंदुओं में सबसे अधिक त्योहार मनाया जाते हैं। हमारे ऋषि मुनियों ने हमारे जीवन को दिव्य बने रहने की योजना स्थापित की। त्यौहार मनुष्य के सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ हमें स्वस्थ कायाकल्प प्रदान करते हैं। हमारे त्योहार धार्मिक मान्यताओं से जुड़े हैं। इस दौरान हम प्रार्थना, पूजा पाठ करते है जिससे हमे मन की शांति मिलती है। उत्सव में छिपे कारण एवं इतिहास हमें प्रेरणा देते हैं। त्योहार मानव जीवन में करुणा, दया, सरलता, अतिथि, सत्कार, पारस्परिक प्रेम सद्भावना, परोपकार, श्रद्धा जैसे नैतिक गुणों का विकास एवं संवर्धन कर हमें चारित्रिक एवं भावनात्मक बल प्रदान करते हैं। बाहरी तौर पर व्यक्ति कितना भी सफल दिखे, सफल जिंदगी का मापदंड उसकी जिंदगी में घुली प्रसन्नता एवं मस्ती की खुशबू से ही मिल सकती है। जीवन का असली मजा वैभव नहीं आंतरिक प्रसन्नता हुआ करता है। जीवन के वास्तविक रंगों को समेटे उत्सव धर्मिता की सोच या यो कहे तड़प को व्यक्त करने एवं जीने हम त्योहार मनाते हैं। उत्सव में हम ईश्वर के निकट आते हैं। ईश्वर केवल गहरे उत्सव में ही प्रकट होता है। हम इतने आनंद से भर जाते हैं कि सब दुख की भावना विदा हो जाती हैं। कोई चाह हासिल हो जाने से उत्सव नहीं होता, चाह मिट जाने से असली उत्सव होता है। उत्सव हमें वर्तमान में लेकर आते हैं, हम भविष्य की चिंता रहित हो जाते हैं।

उत्सव शब्द सवन से उत्पन्न हुआ है। सोम या रस निकालना ही सवन है। जब रस ऊपर छलक जाए तो उत्सवन या उत्सव है। भारतीय संस्कृति में त्योहारों और उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्व रहा है। हमारे संस्कृति की विशेषता है कि हमारे त्योहार मानव में परस्पर प्रेम एवं एकता को बढ़ाते हैं। इन त्योहारों एवं उत्सवों का हमारे जीवन में क्या भूमिका है इसका अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि हमारे त्योहार हमारे जीवन को प्रकृति की ओर मोड़ने से लेकर परिवार में मेल-जोल बढ़ाने का संदेश देकर यह आभास करवाता है कि जीवन एक उत्सव है। हमारी उत्सव धर्मिता परिवार एवं समाज को एक सूत्र में बांधती है, संगठित होकर जीने का लाभ बताती है, हमारे मन में संस्कृति बोध जगाती है। हमें यह समझना होगा की प्रकृति नहीं चाहता कि मनुष्य गंभीर हो। हम कभी कोई गंभीर पेड़ या पक्षी नहीं देखे, तो फिर मनुष्य अपने वासना तृष्णा एवं अहंकार के कारण अपनी उत्सव धर्मिता से क्यो विलग हो जाता है? जीवन का उत्सव मना पाना ही धर्म है। अगर कोई जीवन का उत्सव नहीं मना सकता तो वह ईश्वर से दूर है। त्यौहार में हम उस क्षण में प्रसन्न और आनंदित हो जाते हैं। वह इस क्षण के उत्सव से भरा होगा। हमारे त्योहार हमें आत्मोन्नति का संदेश देते हैं। नकारात्मकता से मुक्ति, बुराई पर अच्छाई के विजय का संदेश देते हैं, तनाव एवं अवसाद दूर करते हैं। सामूहिक उत्सव डोपामिन और ऑक्सीटोसिन जैसे हैप्पी हार्मोन बढ़ाते हैं। यह त्यौहार हमें हमारे दिव्यता से परिचय कराते हैं। अपने साथ, मन के साथ, शरीर के साथ, लोगों के साथ एवं सृष्टि के साथ हम अपने व्यवहार के प्रति सचेत होते हैं। यह सब परिवर्तन या अनुभव सूक्ष्म स्तर पर होते हैं क्योंकि हमारी संस्कृति का वास्तविक स्वरूप आध्यात्मिक है। किंतु आज पाश्चात्य जगत के भोगवाद से प्रभावित होकर त्योहारों के सूक्ष्म भाव को नजरअंदाज कर स्थूल भाव का हम अनुसरण करने लगे हैं। इसलिए यहां पर भी सजावट-बनावट-दिखावट का बोलबाला होने लगा है। बाजारीकरण के प्रभाव से हमारे त्योहार भी अछूते नही रह गये है। प्रमुख त्योहार अपनी रंगत बदल रहे हैं। आधे से ज्यादा त्योहार तो आकर चले जाते हैं, हमें पता भी नहीं चलता। हम सैकड़ों साल गुलाम रहे पर हमारे त्योहारों की रंगत पर कोई असर नहीं पड़ा। किंतु अब सब कुछ बदल रहा है। त्योहार के दिनों में भी हम अपनों से, समाज से पहले की तरह पूरी तरह जुड़ नही पाते। सबसे ज्यादा खामियाजा अनजाने में बच्चो को भोगना पड़ता है। आज के युग में बच्चों की आधी दुनिया मोबाइल और लैपटॉप हो गई है। ऐसे में उन्हें त्योहार और रिश्ते के महत्व को समझना अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक शिक्षा आवश्यक है। लेकिन साथ ही अपने इतिहास को जानना और संस्कृति से जुड़े रहना और भी अधिक आवश्यक है। हमारी परंपराएं पेड़ के जड़ की तरह होती है। त्योहार उन्हीं परंपराओं का हिस्सा है।

त्योहारों का फीका पड़ता रंग हमारी संस्कृति के लिए एक चुनौती है। यह इस बात का परिचायक भी है कि हम अपने जीवन में गलत सोच को प्राथमिकता दे रहे हैं। जो

भी बचे कुचे त्योहार हम मनाते हैं उसमें भी हमारी प्राथमिकताएं गलत होती हैं। उसे हम अपने त्योहारों को उनके सात्विक भाव की जगह तामसिक वृत्ति से पालन करने का आजकल चलन प्रारंभ हो गया है। हम देखते हैं कि हमारे त्योहारों के समय अब मद्यपान आदि का समावेश होने लगा है। त्योहार मनाने के पीछे जो मूल भावना थी उसका परिपालन नहीं करने से उन त्योहारो से होने वाले लाभ गौड हो जाते है। त्योहार एवं उत्सव की उपेक्षा कर हम जीवन की गुणवत्ता के मान को कम कर देते हैं एवं मानव जीवन रूपी स्वर्णिम अवसर के महत्व की अनदेखी कर देते हैं। हमारे संस्कार संस्कृति मे निहित उच्च गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए हमें हमारे त्योहारों एवं उत्सवों को फिर से हमारे जीवन में पूर्ण रूप से अपनाना होगा। खासकर बच्चों के लिए यह अत्यावश्यक है क्योंकि वे हमारे संस्कार संस्कृति से कट रहे हैं उन्हें तो हमारे त्योहारों में नीहित सूक्ष्म संदेशों के विषय में जानकारी ही नहीं है। हमारा यह पवित्र दायित्व बनता है कि हम उन्हें त्योहारों के वास्तविक स्वरूप की जानकारी दें एवं उन्हें उन त्योहारों के पीछे छिपी हुई भावना को जानने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें। हमारे हर त्योहार के पीछे जो संदेश है, उनके पीछे जो कहानी हैं, उनकी जो विशेषताएं हैं, उनके बारे में उन्हें बताएं। हमारे त्योहारों का अवमूल्यन एक सोचनीय विषय है।

त्योहार मन में होता है। तन पर भले ही फटे कपड़े हो पर मन आनंदित रहता है। धीरे-धीरे त्योहारों को मन से निकाल कर हम तन सजाने लगे, घर सजाने लगे। हमें यह समझना होगा **'भावो हि विद्यते देव'** - भाव ही हमें काठ या पत्थर में देव का एहसास कराते हैं। भाव के अभाव में जड़ता का प्रादुर्भाव होता है जिसे बच्चन जी की मधुशाला की यह पंक्तियां चरितार्थ करती हैं;

मिलने का आनंद न देती मिलकर के भी मधुशाला
अब तो केवल कर देती है फर्ज अदाई मधुशाला।

त्योहारों को मनाने के नए-नए तरीके अपनाए जाते हैं। अंदर से अच्छा होने से अधिक बाहर से अच्छा दिखना चाहिए। फलस्वरूप हम कह सकते है कि एक तरह से त्योहार का भी 'त्योहारीकरण' हो गया है। जो भी त्योहार हम मनाते हैं उन्हें मनाने में अब भाव की जगह साधनों का महत्व बढ़ गया है। विश्व की अन्य सभ्यताओं के मुकाबले हमारे देश में अभी भी कुछ हद तक परंपराएं कायम है। हमारे जीवन में एवं समाज में इनकी चमक वापस लाने के लिए हमें सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें यह ध्यान देना होगा कि हम बच्चों को इन त्योहारों के महत्व को समझाएं एवं उन्हें इनके असली रूप रंग से परिचित कराएँ।

कुछ आसान तरीकों से हम अपने बच्चों को त्योहारों के बारे में बता सकते हैं-

१. सबसे पहले बच्चों की उम्र और समझ के अनुसार जानकारी दें। उन्हें त्योहारों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करें, न कि मजबूर करें।

२. उन्हें कहानियों के जरिए आप उन्हें अलग-अलग त्योहारों के बारे में बता सकते हैं।

३. जिन बच्चों को वीडियोज और फिल्में देखना पसंद हैं, आप उन्हें इनके जरिए त्योहारों के बारे में बता सकते हैं।

४. घर में ही खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए आप बच्चों को त्योहार के बारे में बता सकते हैं।

५. बच्चों को त्योहारों से जुड़ी किताबें पढ़ने के लिए दे सकते हैं।

६. त्योहार में जब आप रिश्तेदारों के घर जाएं तो बच्चों के हाथों से मिठाई दिलवाएं ताकि उन्हें इस चीज का महत्व समझ आए। साथ ही वे ऐसा करने से खुशी महसूस कर सकेंगे।

७. सबसे अधिक महत्वपूर्ण है आपका आचरण। बच्चे जैसा घर में देखते हैं, वैसा ही अपनाते हैं।

संस्कृति, सेवा और संगठन की राह पर

पवन कुमार गोयनका

२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन (दिल्ली ६-७ सितंबर २०२५) में पदभार ग्रहण करने के उपरांत यह मेरी पहली चिट्ठी आपके नाम है। प्रत्येक माह इस पत्र के माध्यम से मैं आप सभी के साथ सीधा वार्तालाप करना चाहता हूँ। उत्तर में आपकी प्रतिक्रिया एवं सुझाव मुझे प्रोत्साहित एवं प्रेरित करेंगे।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में सम्मेलन का २८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन विचार-विमर्श, उपस्थिति, व्यवस्था - सभी मायनों में बहुत ही सफल रहा। सम्मेलन के पूर्व एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व एवं निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री, दिल्ली प्रांत के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारीगण, देश के विभिन्न भागों से पधारे सम्मानित अतिथिगण एवं सम्मेलन के प्रति सहृदय समर्पित कार्यकर्ता हमारी बधाई एवं साधुवाद के पात्र है।

२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में हमने कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये है। कई निर्णय लिये हैं, उन पर तुरंत कार्य करना है। संगठन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए संगठन आवश्यक है एवं संगठन का निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से ही संभव है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सदियों पुरानी उस विरासत का प्रतीक है, जिसने समाज, संस्कृति, सेवा और संस्कारों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। सम्मेलन का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार भर नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा, सेवा और संस्कारों का प्रसार करना है। हमारे पूर्वजों ने जो मूल्य और परंपराएँ हमें दी हैं, उन्हें नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मूल उद्देश्य समाज को एकजुट रखना, आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना, तथा सेवा के माध्यम से सम्मेलन के उद्देश्यों और समाज सुधार की दिशा में प्रयासरत एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है।

हमारी संस्था **"वसुधैव कुटुम्बकम्"** की भावना को आत्मसात करते हुए हर वर्ग, हर व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। समाज सुधार के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान, कन्या शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, गौसंरक्षण, और युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

हमारा लक्ष्य केवल सामाजिक सहायता नहीं, बल्कि सशक्त समाज निर्माण है - ऐसा समाज जो अपनी संस्कृति पर गर्व करे और आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखे। एकता, संस्कृति और सेवा की भावना के साथ - अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन नव अध्याय की ओर अग्रसर है।

वर्तमान समय में सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं, प्रांतों और महिला-युवा प्रकोष्ठों द्वारा अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य शिविर, रोजगार सहयोग और महिला सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रम निरंतर चल रहे हैं।

डिजिटल युग में सम्मेलन ने अपनी गतिविधियों एवं संगठन की सक्रियता को तकनीक के माध्यम से अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाया है। सभी प्रांतों से आग्रह है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज सेवा एवं संगठन के कार्यों का विस्तार करें और संगठन को और मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएँ।

अक्टूबर और नवंबर का महीना त्योहारों का महीना है। यह महीना आस्था, भक्ति और उत्सवों का महीना है। भारतीय संस्कृति में इन पावन अवसरों को केवल पर्व के रूप में नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा की निरंतरता के रूप में मनाते हैं। ये उत्सव और संस्कृति का संगम हमारे जीवन में विशेष स्थान रखते है। नवरात्रि और दुर्गा पूजा के अवसर पर माँ दुर्गा की उपासना हमें यह प्रेरणा देती है कि असत्य और अन्याय पर सदैव सत्य और धर्म की विजय होती है। माँ शक्ति की आराधना के माध्यम से हम अपने जीवन में शक्ति, संयम और सद्भावना का संचार करें। विजयादशमी केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि अहंकार पर विनम्रता की जीत का प्रतीक है। इस दिन हम अपने भीतर छिपे नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मकता की राह पर आगे बढ़ने का संकल्प लें। करवा चौथ का पर्व वैवाहिक जीवन की अटूट निष्ठा और प्रेम का प्रतीक है। करवा चौथ हमें यह सिखाता है कि विश्वास, समर्पण और प्रेम किसी भी रिश्ते की सबसे मजबूत नींव हैं। इस दिन व्रत रखने वाली सभी माताओं और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ। धनतेरस स्वास्थ्य, समृद्धि और स्वच्छता का संदेश लेकर आता है। इस दिन हम केवल भौतिक धन ही नहीं, बल्कि अच्छे कर्म और सकारात्मक विचारों का संचय करें - यही सच्चा धन है। दीपावली हमारे जीवन में उजाला और उम्मीद का संदेश लाती है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। अपने घरों के साथ-साथ हमें अपने मन के अंधकार को भी मिटाना चाहिए - द्वेष, ईर्ष्या और अहंकार को दूर करके प्रेम और करुणा का दीप जलाएँ। गोवर्धन पूजा का पर्व प्रकृति संरक्षण और सामूहिकता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने का प्रसंग हमें यह सिखाता है कि संकट के समय एकजुट होकर रहना ही सबसे बड़ी शक्ति है। भैया दूज भाई-बहन के प्रेम का यह पावन पर्व आपसी स्नेह और विश्वास की मिसाल है। बहनें भाइयों की दीर्घायु की कामना करती हैं, और भाई अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हैं। यह रिश्ता पारिवारिक प्रेम का सबसे सुंदर उदाहरण है। इन सभी त्योहारों के अवसर पर मैं पूरे मारवाड़ी समाज को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर करें कि ये पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आएँ।

मैंने अपने अध्यक्षीय प्रतिवेदन में निवेदन किया है कि सम्मेलन को निरंतर चल रही प्रक्रियाओं के अलावा भी महिला सशक्तिकरण, युवा वर्ग की सहभागिता, बच्चों को संस्कार देना, प्रोफेशनल टीम द्वारा समाज को सहयोग देना एवं अपने पारंपरिक त्योहारो को मनाना। इन सभी महत्वपूर्ण एवं आवश्यक सामाजिक उद्देश्यों के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम की रुपरेखा आपके परामर्श से तैयार करनी है, आपके सुझावों के लिए मैं आभारी रहूंगा। अगले महिने के पत्र में इस पर विस्तृत बातचीत करेंगे।

शिष्टाचार भेंट

१ अक्टूबर २०२५ को दिल्ली का सामाजिक संस्था सक्षम फाउंडेशन के द्वारा आयोजित दीवाली समारोह के दौरान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा से भेंट की। श्री गोयनका ने उन्हें सम्मेलन के कार्यो एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से श्री कपिल मिश्रा को अवगत कराया। श्री मिश्राजी ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के उद्देश्यों और गतिविधियों की सराहना की और साथ मिलकर काम करने का वादा किया।

युवा मंच द्वारा 'ढोलीडा' कार्यक्रम

१ अक्टूबर २०२५ को दिल्ली में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'ढोलीडा' में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्री गोयनका ने युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सुनील जैन, श्री विमल खंडेलवाल, श्री मुकेश बोथरा एवं युवा मंच की दिल्ली नगर शाखा टीम को सुंदर आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

शिष्टाचार भेंट

२ अक्टूबर २०२५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी ने दिल्ली के पीतमपुरा में आयोजित रामलीला समारोह के दौरान मुख्य अतिथि दिल्ली सरकार के गृह, विद्युत, शहरी विकास एवं शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद को सम्मानित किया।

लक्ष्मी गणेश पूजन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में धनतेरस के शुभ अवसर राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने राष्ट्रीय संयुक्त मंत्रीद्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री पवन कुमार बंसल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल कुमार मलावत, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, श्री बाबूलाल बंका, श्री प्रकाश चंद्र हरलालका एवं सज्जन बेरिवाल एवं राष्ट्रीय कार्यात्य के सभी सहयोगियों के सानिध्य में लक्ष्मी-गणेश का पूजन विधि-विधान से किया। वैदिक पंडितो के निर्देशन में लक्ष्मी-गणेश का पूजन अर्चन हुआ।

सभी ने भगवान धन्वंतरि एवं माँ लक्ष्मी से समृद्धि, सुख-शांति और संगठन की उन्नति की कामना की। सभी ने दीपावली की बधाई दी। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने समाज के बंधु-बांधवों को दीपावली पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

दिपावली कार्यक्रम में शिरकत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने दिनांक १२ अक्टूबर २०२५ को दिल्ली की अल्युमीनियम एसोसिएशन फॉर दिल्ली द्वारा आयोजित करोल बाग स्थित अजमल खाँ पार्क में दिपावली के कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम में सम्मेलन की गतिविधियों एवं उसके उद्देश्यों को सबके समझ रखा। साथ ही उन्होंने हमारे भारतीय त्योंहारो को मनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया एवं निवर्तमान उपाध्यक्ष एवं अल्युमीनियम एसोसिएशन फॉर दिल्ली के उपायक्ष श्री सज्जन शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

संजय अग्रवाल कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

दिनांक ०५ अक्टूबर २०२५ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत शाखा में नव मनोनीत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद जी बजाज द्वारा संजय जी अग्रवाल (Dokania) को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भव्य स्वागत किया गया तथा शिव कुमार अग्रवाल जी को शाखा सचिव की जिम्मेवारी दी गई तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया गया मौके पर शाखाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रमेश मोदी नव नियुक्त सचिव शिव कुमार अग्रवाल राजा अग्रवाल विमल अग्रवाल राजेंद्र अग्रवाल मयंक अग्रवाल गौरव अग्रवाल कन्हैयालाल जी वैद उपस्थित रहे।

नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा केंद्र संचालित

दिनांक १२ अक्टूबर २०२५ को गुजराज प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा द्वारा जी २२, मैगस माल, कॅनाल रोड, सूरत में निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा केंद्र सेवा संचालित की गई। जिसका लाभ लेते हुए लाभार्थी और पदाधिकारी गण। शाखाध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने बताया कि यह सेवा प्रतिदिन सुबह ११ बजे से १ बजे तक चलती है, शुक्रवार अवकाश रहता है काफ़ी संख्या में लोग इसका लाभ ले रहे हैं सभी को फायदा भी अच्छा हो रहा है।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

भोजन सामग्री वितरण

धनतेरस, शुभ दीपावली के शुभ अवसर पर हर घर खुशियाँ सर्वे भवन्तु सुखिनः कार्यक्रम के अन्तर्गत गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला इकाई के द्वारा जरूरतमंद माताओं को भोजन सामग्री वितरित की गई मौक़े पर जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल रमेश जी मोदी शिव कुमार जी अग्रवाल विकास जी अग्रवाल विजय जी सरावगी और कई गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दुर्गापुर पश्चिम शाखा द्वारा आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम बुधवार दिनांक २२ अक्टूबर, २०२५ को संध्या समय श्री लक्ष्मी नारायण भवन, बेनाचिट्टी, दुर्गापुर के प्रांगण में बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में १२ प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया।

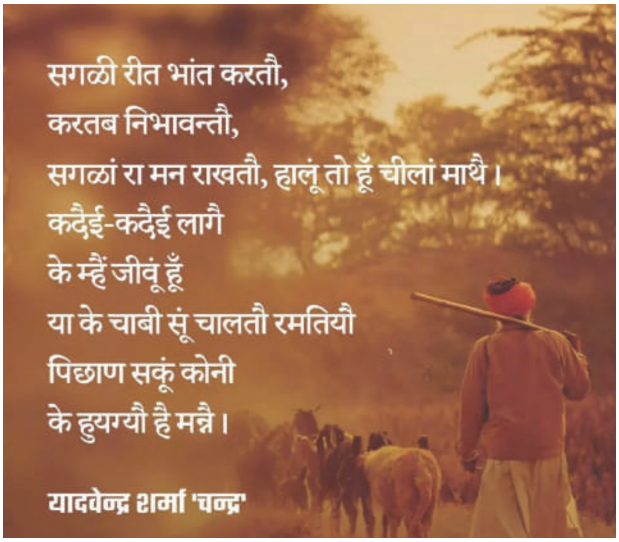

प्रोजेक्ट/असाइनमेंट कार्यक्रम का आयोजन

बरपेटा रोड स्थित श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में गत रविवार को मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा कक्षा ६ से १२ तक के विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक समझ और प्रस्तुतीकरण क्षमता को विकसित करना था। श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष श्री राधाकिशन चौधरी, मंडल 'ज' के उपाध्यक्ष श्री श्रीधर शर्मा, सहायक मंत्री श्रीमती स्मिता धिरासरिया, तेरापंथ समाज के अध्यक्ष श्री सुबाहु डागा, महिला शाखा अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा जैन का स्वागत पारंपरिक असमिया फुलाम गमछा से शाखा अध्यक्ष श्री संजय घिड़िया, उपाध्यक्ष श्री बाल किशन शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री संजय जाजोदिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रमोद अग्रवाल एवं सह-सचिव श्री रवि प्रकाश अग्रवाल ने विधिवत किया।

फीता कटाई और गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शाखा अध्यक्ष श्री संजय घिड़िया ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सम्मेलन सचिव श्री कमल खेमका ने प्रोजेक्ट /असाइनमेंट के विषय की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में कुल २९ विद्यार्थियों ने सात विभिन्न वर्गों में भाग लिया। विद्यार्थियों ने विविध विचारों और रचनात्मक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को प्रभावित किया। कार्यक्रम का शीर्षक "मारवाड़ी विवाहोत्सव संस्कार समारोह प्रबंधन (दुल्हन पक्ष)" था, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने मारवाड़ी संस्कृति, रीति-रिवाजों, विवाह की परंपराओं तथा आयोजन प्रबंधन की बारीकियों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। मारवाड़ी समाज से पधारे कई महानुभावों ने अपने अपने विचारो से कार्यक्रम की और शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के अंत में सह-सचिव श्री रवि प्रकाश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सचिव श्री कमल खेमका ने इस आयोजन की जानकारी प्रेषित की।

सावधान!

इन दिनों भिन्न-भिन्न तरीकों से रुपये ठगने का गलत धन्धा चल रहा है। उदाहरणस्वरूप आपके पास किसी का फोन आ सकता है, जिसमें आपके किसी परिचित का नाम और फोटो फोन करने वाले के स्थान पर हो सकता है। अपने को उस परिचित का पारिवारिक सदस्य बताकर मुसीबत में होने की वजह से पैसे मांग सकता है, या अन्य किसी तरीके से ठगने का प्रयास कर सकता है, कृपया किसी के चक्कर में न पड़ें तथा सावधान रहें। इसी तरह के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। कृपया सचेत रहें।

– अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

खाद्य सामग्री वितरण

भाद्रपद (भादवा) माह के पावन अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (मंडल बी) की जोरहाट शाखा की ओर से एक सराहनीय सेवाभावी पहल के तहत धेकियाखोवा नामघर में जाकर खाद्य एवं अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस पुण्य कार्य में प्रांतीय अध्यक्ष श्री अनिल केजड़ीवाल के नेतृत्व में जोरहाट शाखा के मंत्री श्री बाबूलाल सांखला, कार्यकारिणी सदस्यगण श्री वासुदेव अग्रवाल, श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री रामप्रसाद बेरिया, श्री गौरीशंकर गिनोड़िया, श्री श्याम मोदी, श्री महेश अग्रवाल (सरावगी), श्री विजय कुमार झांवर एवं श्री ओमप्रकाश प्रजापत सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। धेकियाखोवा नामधर प्रशासन ने सम्मेलन परिवार द्वारा किए गए सहयोग और प्रदान की गई सामग्री के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रांतीय उपाध्यक्ष द्वारा गोसाईगांव एवं बोंगाईगांव शाखा का दौरा

प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री श्रीधर शर्मा एवं मंडलीय सहायक श्रीमती स्मिता धीरासरिया एवं श्री दिलीप धीरासरिया ने २० सितंबर को गोसाईगांव और बोंगाईगांव शाखा का दौरा किया। गोसाईगांव शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल सुराणा ने प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री श्रीधर शर्मा एवं मंडलीय सहायक श्रीमती स्मिता धीरासरिया एवं श्री दिलीप धीरासरिया का पारंपरिक दुपट्टा से सम्मान किया। इस अवसर पर शाखा के उपाध्यक्ष श्री प्रकाश बैद, श्री मनोज सरावगी, कोषाध्यक्ष श्री रोहित जैन, सलाहकार श्री अक्षय चंद बैद, मीडिया प्रभारी श्री गोपाल हरलालका, सहसचिव श्री मनीष लखोटिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगणों की उपस्थिति रही। सभा में भविष्य में आयोजित होने वाली कार्यशाला पर विचार-विमर्श किया गया।

नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन की दुमदुमा शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच दुमदुमा प्रगति शाखा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय क्षेत्र में दो दिवसीय विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन कोलकाता स्थित जनसेवा को समर्पित संस्था विशन दयाल गोयल (बीडीजी) रमेश गोयल सेवा संस्थान के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से युक्त 'लोटस मेडिकल वैन' के माध्यम से विशेष रूप से आंख, दांत, एक्स-रे, एवं विभिन्न प्रकार के पैथोलॉजिकल परीक्षणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों की जांच की गई, और उन्हें आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयां एवं रियायती दर पर चश्मे भी उपलब्ध कराए गए। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ दुमदुमा के प्रमुख समाजसेवियों श्री किशनलाल पारीक, श्री जयनारायण बंसल, श्री कमल लाहोटी, श्री राजकुमार गाड़ोदिया, सम्मेलन के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री दिनेश गोयल एवं शिविर संयोजक श्री अर्जुनलाल अग्रवाल व श्रीमती रिंकी पटवारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रगति शाखा की अध्यक्ष श्रीमती अलका मोदी, सम्मेलन के शाखाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र पेड़ीवाल, सचिव श्री राजू गिनोड़िया, श्री विजय धानुका, श्री हर्ष बेरीवाल, श्री भंवरलाल गिनोड़िया सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी की बैठक

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के मुख्यालय कटनी में गत दिवस १२ अक्टूबर को सत्र २०२५-२७ की नवीन कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्व-परिचय के पश्चात् सतना से पधारे प्रदेश उपाध्यक्ष श्री संजय बंका एवं श्रीमती मधुकाशीरामका जी द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष शरद सरावगी जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन एवं सदस्यता विस्तार के अंतर्गत शीघ्र ही भोपाल उज्जैन एवं रीवा में शीघ्र ही म.प्र. मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं का गठन किया जायेगा। इसके बाद नवीन कार्यकारिणी के सदस्यों की सूची का पठन किया और सभी को बधाई दी।

अध्यक्ष महोदय ने सतना से पधारी सम्मेलन की सक्रिय सचिव सदस्य श्रीमती मधु काशीरामका जी को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया, जिसका सभी ने स्वागत किया। तत्पश्चात् अध्यक्ष महोदय ने कहा कि, हम सभी को मिलकर महिला शक्ति की सहभागिता, दिन में शादी पर जोर, स्वास्थ्य शिविर, प्रतिभा सम्मान, व्यक्तित्व सम्मान, प्रशिक्षण शिविर एवं मायड़ भाषा प्रचार-प्रसार करने का कार्य शीघ्र करना होगा के साथ साथ अन्य निर्णय भी लिये गये। संरक्षक श्री भगवानदास माहेश्वरी, श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, श्री संजय बंका, श्रीमती मधुकाशीरामका जी एवं महामंत्री श्री श्यामसुन्दर माहेश्वरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंत में धन्यवाद के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

तपोभिनंदन समारोह आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन सिलापथार शाखा एवं मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा द्वारा 'तपोभिनंदन समारोह' का आयोजन समता भवन, सिलापथार में श्रद्धा और उत्साहपूर्वक किया गया। समारोह में जैन समाज की उन साधनारत आत्माओं का सम्मान किया गया जिन्होंने वर्ष २०२५ में विशेष तपस्याएं की। महिला शाखा की ओर से तपस्वियों को तिलक लगाकर, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर और भगवान महावीर स्वामी एवं नवकार मंत्र की तस्वीर भेंट कर तपोभिनंदन किया गया। तपस्वियों में प्रमुख रूप से श्रीमती दुर्गा देवी संचेती (मासखमण-३० दिन), श्रीमती इंदिरा देवी संचेती (१० दिन), श्रीमती विदिशा जैन (१० दिन), श्रीमती सुषमा जैन (८ दिन), श्रीमती झूमा देवी मालू (८ दिन), श्री निश्चय बांठिया (८ दिन) शामिल रहे, जिनकी साधना को समाज ने हृदय से नमन किया। कार्यक्रम में महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती रीतु डागा एवं उपाध्यक्षा श्रीमती गुड्डी जैन ने विशेष रूप से श्रीमती दुर्गा देवी संचेती का अभिनंदन कर उनके संयम और साधना को सराहा। इसी क्रम में श्रीमती इंदिरा देवी संचेती का अभिनंदन श्रीमती शांति देवी आंचलियां एवं श्रीमती शर्मिला जैन द्वारा किया गया।

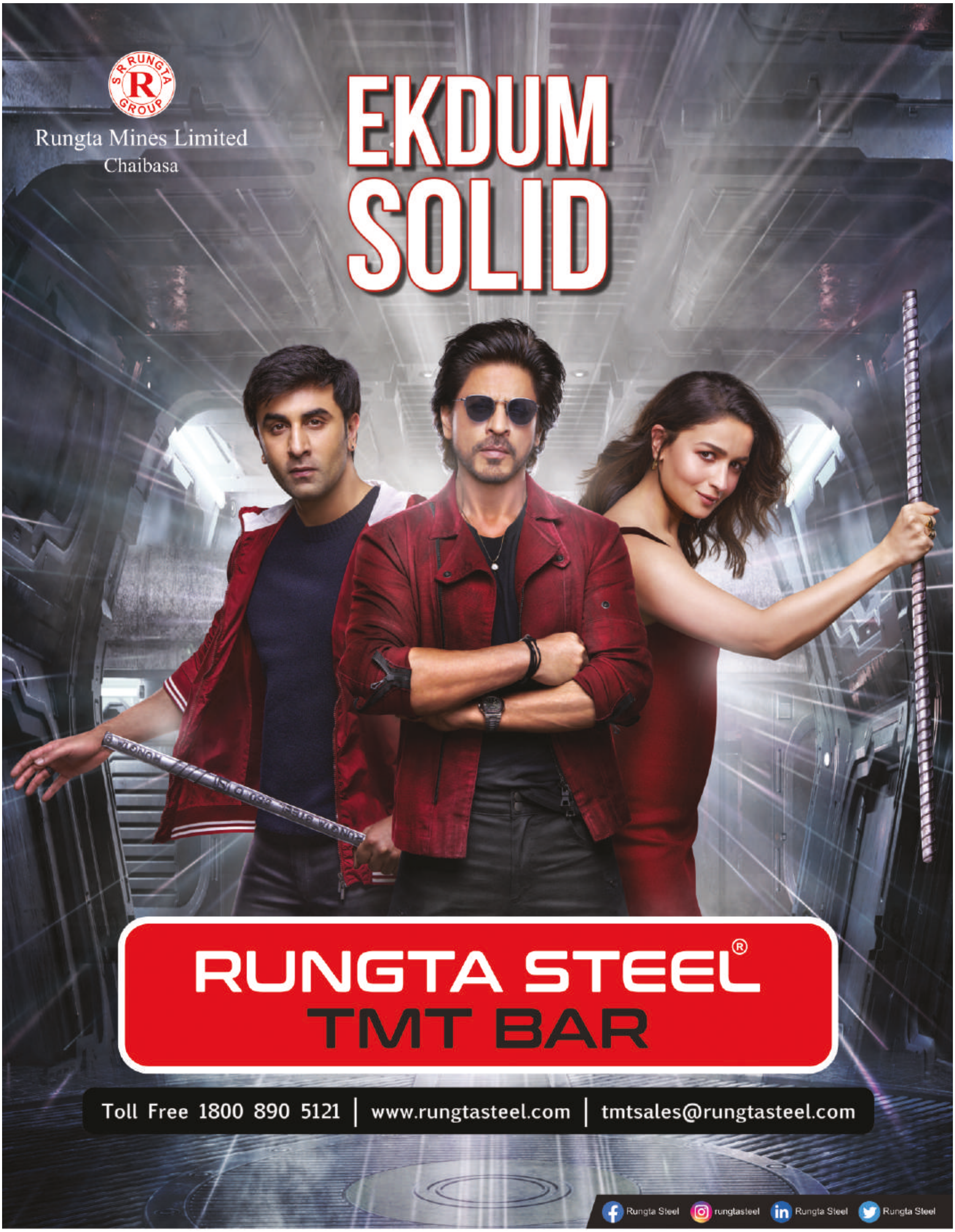

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

दीपावली पर गणेश–लक्ष्मी की पूजा क्यों होती है?

दशहरा बीत चुका था, दीपावली समीप थी, तभी एक दिन कुछ युवक-युवतियों की NGO टाइप टोली एक कॉलेज में आई!

उन्होंने छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे; किन्तु एक प्रश्न पर कॉलेज में सन्नाटा छा गया!

उन्होंने पूछा, "जब दीपावली भगवान राम के १४ वर्षो के वनवास से अयोध्या लौटने के उतसाह में मनाई जाती है, तो दीपावली पर "लक्ष्मी पूजन" क्यों होता है? श्री राम की पूजा क्यों नही?"

प्रश्न पर सन्नाटा छा गया, क्यों कि उस समय कोई सोशल मीडिया तो था नहीं, स्मार्ट फोन भी नहीं थे! किसी को कुछ नहीं पता! तब, सन्नाटा चीरते हुए, एक हाथ, प्रश्न का उत्तर देने हेतु ऊपर उठा!

उसने बताया कि "दीपावली उत्सव दो युग "सतयुग" और "त्रेता युग" से जुड़ा हुआ है!"

"सतयुग में समुद्र मंथन से माता लक्ष्मी उस दिन प्रगट हुई थी! इसलिए "लक्ष्मी पूजन" होता है!

भगवान श्री राम भी त्रेता युग मे इसी दिन अयोध्या लौटे थे! तो अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था! इसलिए इसका नाम दीपावली है!

इसलिए इस पर्व के दो नाम हैं, "लक्ष्मी पूजन" जो सतयुग से जुड़ा है, और दूजा "दीपावली" जो त्रेता युग, प्रभु श्री राम और दीपो से जुड़ा है!

एक और प्रश्न भी था, कि लक्ष्मी और। श्री गणेश का आपस में क्या रिश्ता है?

और दीपावली पर इन दोनों की पूजा क्यों होती है?

सही उत्तर है –

लक्ष्मी जी जब सागर मन्थन में मिलीं, और भगवान विष्णु से विवाह किया, तो उन्हें सृष्टि की धन और ऐश्वर्य

की देवी बनाया गया! तो उन्होंने धन को बाँटने के लिए मैनेजर कुबेर को बनाया!

कुबेर कुछ कंजूस वृति के थे! वे धन बाँटते नहीं थे, स्वयम धन के भंडारी बन कर बैठ गए!

माता लक्ष्मी परेशान हो गई! उनकी सन्तान को कृपा नहीं मिल रही थी!

उन्होंने अपनी व्यथा भगवान विष्णु को बताई! भगवान विष्णु ने उन्हें कहा, कि "तुम मैनेजर बदल लो!"

माँ लक्ष्मी बोली, "यक्षों के राजा कुबेर मेरे परम भक्त हैं! उन्हें बुरा लगेगा!"

तब भगवान विष्णु ने उन्हें श्री गणेश जी की दीर्घ और विशाल बुद्धि को प्रयोग करने की सलाह दी!

माँ लक्ष्मी ने श्री गणेश जी को "धन का डिस्ट्रीब्यूटर" बनने को कहा!

श्री गणेश जी ठहरे महा बुद्धिमान! वे बोले, "माँ, मैं जिसका भी नाम बताऊंगा, उस पर आप कृपा कर देना! कोई किंतु, परन्तु नहीं! माँ लक्ष्मी ने हाँ कर दी!

अब श्री गणेश जी लोगों के सौभाग्य के विघ्न/रुकावट को दूर कर उनके लिए धनागमन के द्वार खोलने लगे!

कुबेर भंडारी ही बनकर रह गए! श्री गणेश जी पैसा सैंक्शन करवाने वाले बन गए!

गणेश जी की दरियादिली देख, माँ लक्ष्मी ने अपने मानस पुत्र श्री गणेश को आशीर्वाद दिया, कि जहाँ वे अपने पति नारायण के सँग ना हों, वहाँ उनका पुत्रवत गणेश उनके साथ रहें!

दीपावली आती है कार्तिक अमावस्या को! भगवान विष्णु उस समय योगनिद्रा में होते हैं! वे जागते हैं ग्यारह दिन बाद, देव उठावनी एकादशी को!

माँ लक्ष्मी को पृथ्वी भ्रमण करने आना होता है शरद पूर्णिमा से दीवाली के बीच के पन्द्रह दिनों में, तो वे सँग ले आती हैं श्री गणेश जी को! इसलिए दीपावली को लक्ष्मी-गणेश की पूजा होती है!

करवा चौथ

करवा चौथ भारत का एक अत्यंत लोकप्रिय और पवित्र व्रत एवं त्यौहार है, जिसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। यह व्रत हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है, जो आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर महीने में पड़ता है।

करवा चौथ का अर्थ

"करवा" का अर्थ है मिट्टी का बर्तन (जिसमें पानी रखा जाता है)।

"चौथ" का अर्थ है चतुर्थी, यानी महीने की चौथी तिथि।

इन दोनों शब्दों को मिलाकर बना "करवा चौथ" – एक ऐसा दिन जब महिलाएँ निर्जला व्रत रखकर सच्चे मन से प्रार्थना करती हैं कि उनके पति का जीवन लंबा, स्वस्थ और खुशहाल रहे।

व्रत की विधि

सुबह सूर्योदय से पहले (सरगी) – सास द्वारा दी गई सरगी खाकर महिलाएँ व्रत शुरू करती हैं।

पूरे दिन निर्जला उपवास – दिनभर न कुछ खाती हैं न पीती हैं।

शाम को पूजा – महिलाएँ सखियों व पड़ोसन के साथ मिलकर करवा चौथ की कथा सुनती हैं और गौरी माँ की पूजा करती हैं।

चाँद निकलने पर – छलनी से चाँद को देखती हैं, फिर अपने पति के चेहरे को देखती हैं और उनसे व्रत तोड़ने के लिए जल ग्रहण करती हैं।

करवा चौथ की कथा (संक्षेप में)

एक बार की बात है – वीरावती नाम की एक सती स्त्री ने अपने पति के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। वह भूख-प्यास से कमजोर हो गई, तो उसके भाइयों ने छल से दीपक दिखाकर चाँद समझा दिया। उसने व्रत तोड़ दिया, और उसके पति की मृत्यु हो गई। पश्चाताप में वीरावती ने वर्षभर कठोर तपस्या की, जिससे देवताओं ने प्रसन्न होकर उसके पति को पुनः जीवन दिया। तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है।

आधुनिक महत्व

आज के समय में भी यह त्यौहार बड़ी आस्था, प्रेम और उत्साह से मनाया जाता है। कई स्थानों पर अब पति भी अपनी पत्नी के लिए व्रत रखते हैं, जो समानता और प्रेम का सुंदर प्रतीक है।

मनुष्य का उम्र

एक बार एक आदमी किसी गाँव के पास से गुजर रहा था। उस रास्ते में श्मशान भूमि थी, उसने श्मशान भूमि में पत्थरों के ऊपर मरने वाले की उम्र लिखी हुई देखी ५ वर्ष, ८ वर्ष, १० वर्ष और २० वर्ष।

उस आदमी ने सोचा कि इस गांव में सभी की मृत्यु अल्प आयु में ही हो जाती है। वह आदमी गांव में गया तो गांव वालों ने उस आदमी की बहुत सेवा सत्कार किया। वह आदमी कुछ दिन उस गांव में ठहरने के बाद वहां से जाने के लिए तैयार हुआ और गांव वालों को बताया कि मैं कल जा रहा हूँ।

उसकी बात सुनकर गांव वाले बहुत दुखी हुए और कहने लगे हमारे से कोई गलती हुई है तो बताओ लेकिन आप यहाँ से न जाओ, आप इसी गाँव में रूक जाओ। वह आदमी कहने लगा कि इस गांव में, मैं और अधिक नहीं रह सकता, क्योंकि इस गांव में इंसान की अल्प आयु में ही मृत्यु हो जाती है।

उसकी बात सुनकर गांव वाले हँसने लगे और बोले

देखो- हमारे बीच में भी कोई ६० वर्ष, ७० वर्ष और ८५ वर्ष का भी है। तो उस आदमी ने पूछा कि श्मशान भूमि के पत्थरों पर लिखी मृतक की आयु का क्या कारण है?

गांव वाले कहने लगे कि हमारे गांव में रिवाज़ है कि आदमी सारा दिन काम काज करके, फिर भगवान का भजन कीर्तन, जीव की सेवा करके, रात को भोजन करने के बाद, जब वह सोने जाता है, तब वो अपनी डायरी के अंदर यह बात लिखता है कि आज कितना समय भगवान का सत्संग, भजन - सुमिरन किया।

जब उस आदमी की मृत्यु होती है, तब उसकी लिखी हुई डायरी लेकर उसके किये हुए भजन सिमरन के समय को जोड़ कर हम उसे महीने और साल बनाकर उसे पत्थरों पर लिख देते हैं। क्योंकि इंसान की असली आयु तो वही है जो उसने भगवान के भजन - सुमिरन में बिताई है।

इंसान का बाकी जीवन तो दुनियाँ में ही व्यर्थ चला गया..!!

IAC SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing

www.iacelectricals.com   info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

आलेख

भव्यता वैभव नहीं, सेवा में समर्पित संपन्नता है।

समाज की संरचना विविध स्तरों से मिलकर बनती है , कोई श्रम से, कोई बुद्धि से, और कोई संपन्नता से अपनी भूमिका निभाता है। किन्तु जब बात आती है संभ्रांत या संपन्न वर्ग के सामाजिक आयोजनों की, तो एक प्रश्न अक्सर उभरता है , क्या इन अवसरों पर किया गया भारी व्यय केवल आडंबर और दिखावे का प्रतीक है, या यह समाज की आर्थिक-सामाजिक संतुलन व्यवस्था का आवश्यक अंग है? यह प्रश्न केवल अर्थशास्त्र का नहीं, बल्कि नैतिकता, संस्कृति और सामाजिक न्याय का भी विषय है।

धन का प्रवाह ही समाज की धड़कन है

अर्थशास्त्र का मूल सिद्धांत कहता है - धन जब तक प्रवाहित है, तभी तक वह समाज को जीवन देता है। यदि संपन्न वर्ग अपने संसाधनों को समाज में प्रवाहित नहीं करेगा, तो धन एक वर्ग तक सीमित होकर सामाजिक असमानता को जन्म देगा। विवाह, धार्मिक आयोजन, उत्सव या सामाजिक दायित्वों पर किया गया खर्च, इन सबमें अनगिनत वर्गों की आजीविका जुड़ी होती है। फूलवाले, सजावटकर्मी, हलवाई, कारीगर, बैंडवाले, वाहनचालक, फोटोग्राफर, पुजारी हर व्यक्ति उस आयोजन से अपने जीवन का साधन प्राप्त करता है। इस प्रकार संभ्रांत वर्ग का व्यय केवल उसकी संपन्नता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि समाज के लिए आय सृजन और आर्थिक गतिशीलता का माध्यम भी है। यह धन का संचयन नहीं, अपितु संचलन (circulation) है, और यही संचालन अर्थव्यवस्था का प्राण है।

आडंबर और मर्यादित भव्यता का अंतर

हर खर्च उपयोगी नहीं होता। जब व्यय का उद्देश्य केवल प्रतिष्ठा, प्रतिस्पर्धा या अहंकार की पूर्ति बन जाए, तो वह निश्चित ही आडंबर कहलाता है। परंतु जब उसी व्यय में सांस्कृतिक मूल्यों, रोजगार, सेवा और लोकहित का समावेश होता है तब वह समाज की संतुलित प्रगति का आधार बन जाता है। मर्यादा का अर्थ यहाँ केवल कम खर्च करना नहीं, बल्कि यह समझना है कि भव्यता का मूल्य उसके उद्देश्य में है, न कि उसकी चमक में।

इतिहास के दर्पण में संपन्नता का धर्म

भारतीय इतिहास गवाह है कि समृद्धि और समाज सेवा सदैव एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। राजाओं और महाजनों ने मंदिर, धर्मशालाएँ, अन्नक्षेत्र, सरायें और विद्यालय बनवाए, उनका उद्देश्य केवल नाम कमाना नहीं, बल्कि जनकल्याण और धर्म-संवर्धन था।

आज के युग में यदि संपन्न समाज अपने सामाजिक आयोजनों को लोकहित, सांस्कृतिक संरक्षण और रोजगार सृजन के साथ जोड़ता है, तो वह हमारे प्राचीन आदर्शों का आधुनिक रूपांतरण है। भव्यता तभी सार्थक है जब वह कई जीवनों को प्रकाशित करती है।

अर्थशास्त्र की दृष्टि से खर्च का सामाजिक गुणनफल

अर्थशास्त्र में इसे "Multiplying Effect" कहा जाता है - जहाँ एक व्यक्ति का खर्च दूसरे की आय बन जाता है, और वही आय आगे तीसरे की आवश्यकता पूरी करती है। यदि संभ्रांत वर्ग अपना धन केवल संचय में रखे, तो समाज में अर्थसंचार की गति रुक जाएगी। इसलिए विवेकपूर्ण खर्च समाज की आर्थिक रक्तधारा को जीवित रखने का कार्य करता है।

संवेदनशीलता ही सच्ची भव्यता है

हर आयोजन का मूल्य इस बात से नहीं आँका जाना चाहिए कि उसमें कितना खर्च हुआ, बल्कि इस बात से कि उस खर्च से कितनों का भला हुआ। ऐसे आयोजन जो केवल प्रतिष्ठा के प्रदर्शन का माध्यम बनें, वे समाज में ईर्ष्या, अहं और असंतुलन फैलाते हैं। परंतु जो आयोजन रोजगार, संस्कृति और सौहार्द को बढ़ावा दें, वे समाज की सकारात्मक ऊर्जा बन जाते हैं। इसलिए आवश्यकता है संवेदनशील और विवेकपूर्ण समृद्धि की, जो सेवा और सतुलन दोनों को साथ लेकर चले।

संभ्रांत समाज का व्यय न तो सदा आडंबर है, न ही सदा कल्याणकारी यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस व्यय की भावना क्या है और उसका लाभ किसे प्राप्त होता है। यदि उसका लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचता है, तो वही व्यय आर्थिक-सामाजिक संतुलन का स्तंभ है। परंतु यदि उसका उद्देश्य केवल आत्मप्रदर्शन है, तो वह अपव्यय और असंतुलन का कारण बनता है।

सच्ची भव्यता वही है,
जो स्वयं के साथ समाज को भी समृद्ध करे,
जो धन को अवसर में रूपांतरित करे,
और जो सम्पन्नता को सेवा के स्वरूप में ढाले।

भव्यता की असली परिभाषा वह नहीं जो आँखों को चकाचौंध करे, बल्कि वह है जो हृदयों में सम्मान और समाज में संतुलन उत्पन्न करे।

लेखक : **राजकुमार सराफ,** गुवाहाटी, असम

उपलब्धियाँ

दिव्यम छापड़िया का क्रिकेट टीम में हुआ चयन

१९ वर्ष से कम वीनू मांकड़ ट्रॉफी के ओडिशा टीम में कांटाबांजी शहर के दिव्यम छापड़िया होनेवाले बीसीसीआई डोमेस्टिक सीजन २०२५-२६ के ओडिशा अंडर-१९ टीम में कांटाबांजी से चयन होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए है। बलांगीर में हुए पिछले सीनियर इंटरा क्लब टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए, अंडर-१९ इंटरा क्लब टूर्नामेंट में अपने नेतृत्व में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करते हुए अपने कांटाबांजी टीम को चैंपियन भी बनाया। इस वर्ष कटक मे ट्रायल्स मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाते हुए आज ओडिशा टीम में अपना जगह पक्का किया है। कांटाबांजी के जाने माने समाजसेवी दिनेश छापडिआ (पिता) व निरु छापडिआ (माता) के सुपुत्र है। उन्होंने बेटे के प्रति खुशी जाहिर करते हुए कहा बेटे को क्रिकेट के प्रति मेहनत और लगन का नतीजा है। बधाई !

गुरु अमृत की खान

– चेतन स्वामी

जीवन में धार्मिक-आध्यात्मिक यात्रा का प्रथम कदम गुरु महिमा से ही प्रारम्भ होता है। गुरु के प्रति असीम श्रद्धा और उनके वचनों में विश्वास होने से, शिष्य के सारे भौतिक-अभौतिक कार्य स्वतः बनते चले जाते हैं। गुरु का कार्य दोहरा है- प्रथमतः वे शिष्य के समूचे कल्याण की जिम्मेदारी ओटते हैं, इसलिए निर्विघ्न प्रभु मार्ग पर आगे बढ़ने की युक्ति पूर्वक प्रेरणा देते हैं और दूसरी ओर जागतिक कार्यों में उसे सद्मार्गी और प्रामाणिक बनाते हैं। इस प्रकार गुरु दोनों ओर से सहेजते हैं। गुरु शरण होने के बाद शिष्य का पतन नामुमकिन-सा ही हैं। अगर ऐसा होता है तो या तो गुरु ने सम्भाला ही नहीं या फिर शिष्य ही शरण नहीं हुआ। जिस दिन, शिष्य गुरु चरणों में पहुंचा, गुरु की कृपा दृष्टि उस पर पड़ी, समझो आधा कल्याण तो उसी दिन हो गया। गुरु अपने प्राणों से अधिक अपने शिष्य से प्रेम करते हैं। गुरु के मन में यह सात्विक चाव रहता है कि वे जो कुछ जानते हैं- उसे शीघ्र अपने शिष्य में भर दें। वे चाहते हैं- मेरा शिष्य थोड़े ही दिनों में मुझसे आगे निकल जाए। वह आध्यात्मिक जगत की समस्त ऊँचाइयों को प्राप्त कर ले। कल वह भी गुरु पद को धारण कर अपने शिष्यों को यह ज्ञान सम्पदा आगे बांटे- शिष्य के प्रति गुरु के मन में सदैव यही उदात्त भाव रहते हैं।

मनुष्य जीवन को घटनाओं का समुच्चय कहा गया है। इसमें नाना घटनाएं घटित होती रहती है, उन सभी घटनाओं में प्रमुख घटना है- सद्‌गुरु से भेंट हो जाना, गुरु का मिल जाना। हर किसी को गुरु की प्राप्ति सम्भव नहीं है, ऐसे सौभाग्य किसी-किसी के ही होते हैं। किसी भी चीज की प्राप्ति तभी होती हैं जब उसके प्रति मन में गहरी चाह उपजे। गुरु प्राप्ति की मन में चाह ही नहीं है तो गुरु कैसे मिलेंगे? प्रथमतः मन में यह विचार उपजना जरूरी है कि-मेरा कल्याण कैसे होगा? मुझे कल्याण के मार्ग पर कौन ले जाएगा? स्व कल्याण और कल्याण का मार्ग बताने वाले का मिलना - ये दो उत्कट इच्छाएं मन में पैदा हो गई तो दोनों को पूरा करना भगवान का कार्य है। वे कल्याण मार्ग के लिए अवश्य ही सद्‌गुरु से भेंट कराएंगे, बाकी का कार्य उन गुरुजी का। आप तो चाह करो गुरु प्राप्ति की। सच्ची चाह, हृदय से उमड़ कर पैदा हुई चाह, गुरु प्राप्ति से पहले मुझे और कुछ नहीं चाहिए। ऐसा सतत् चिंतन बन जाए।

ऐसी सात्विक चाह रखने वालों को उतने ही उच्च कोटि के सद्‌गुरु मिले हैं-ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने रहे हैं। गुरु की खोज का मूल कारण तो ईश्वर प्राप्ति की जिज्ञासा ही हैं। अव्यक्त सत्ता को जानने और पाने की अभिलाषा में व्यक्ति स्वयं को कहीं न कहीं कई मायनों में अक्षम पाता है, इसलिए उसे कोई इस सम्बन्ध में ठीक-ठीक ज्ञान करावे। भीतर जो अतृप्ति जन्मी है, उसे कोई तृप्त कर दे। ऐसा सोच- ऐसा भाव गुरु के द्वारे तक ले जाता है। ईश्वर- जिज्ञासा से प्रेरित होकर विवेकानन्द (नरेन्द्र) रामकृष्ण परमहंस के पास पहुंचे और जाते ही पहला सवाल यही किया कि 'क्या आपने ईश्वर को देखा है?' शिष्यों की यही जिज्ञासा हुआ करती है। इसी प्रश्न के उत्तर से ही तो वे आश्वस्त होना चाहते हैं। भले ही बाद में शिष्य का अपने गुरु के प्रति दृढ़ विश्वास और विकट श्रद्धा जम जाए, पर पहले तो वह परखने का ही काम करेगा। इसलिए परखेगा, क्योंकि उसका उद्देश्य महत्त है-वह परमात्मा की खोज में आया है-उसे ऐसा गुरु चाहिए जो सहज ही, हाथ पकड़कर उस परिणति तक ले जाए। अब ऐसे-वैसे गुरु से काम नहीं चलना है। इतना तो शिष्य भी जनता है कि उसे जो मुक्ति नाम की चीज चाहिए वह सहज रूप से गुरु ही बता सकते हैं। मेरा गुरु परमात्म प्राप्ति में मेरे बड़े सहयोगी हो जाएं, उसकी - सारी, अब तक की जमा तमाम जिज्ञासाओं को शान्त कर दे-वह हो जाए-निर्द्वन्द्व। उसे ऐसे गुरु की दरकार है। शिष्य ने अब तक अपने बुद्धि- बल-कौशल, अध्ययन, प्रयत्न से परमात्मा को जानने की क्या कम कोशिशें की हैं? अपने प्रयत्नों-उद्यमों से उसका काम चला नहीं, बना नहीं, तभी तो जागी यह अनुकामना कि अब चला जाए एक वास्तविक अन्वेषी के पास, जिसने प्रभु को पूरा-पूरा खोज लिया है। रामकृष्ण परमहंस ने विवेकानन्द को हृदय से लगाकर आश्वस्त कि- 'हां रे उस ईश्वर को मैं ठीक वैसे ही देखता हूं-जैसे इस वक्त तुम्हें' और क्या चाहिए था विवेकानन्द को-इसी गुरु की तो प्रतीक्षा थी। जिस परमात्मा को वह देखना चाहता है- उसे हस्तामलक की भांति दिखा दे। परमोच्च सत्ता और उसके बीच के आवरण को किसी पर्दे की भांति खींच कर अलग कर दे।

गुरु प्राप्ति की जितनी उत्कट अभिलाषा शिष्य के हृदय में होती है, वैसी ही चाह गुरु के मन में भी योग्य शिष्य प्राप्ति के लिए रहती हैं। शिष्य प्राप्ति के साथ ही गुरु को यह प्रतीत होता है, जैसे बोझ मुक्त हो गए हैं। योग्य वारिस, चिंता मुक्त तो करता ही है, भले ही पास में पूंजी ज्ञान की ही क्यों न हो। विवेकानन्द के शिष्यत्व ग्रहण करने के केवल पांच वर्ष बाद रामकृष्ण परमहंस ने समाधि ग्रहण करते समय कहा- 'मैंने अपना सर्वस्य तुम्हें दे दिया है, तूं इस शक्ति से जगत् के कल्याण कार्य करना।'

यह गुरु की आखरी आज्ञा होती है। इसी आज्ञा के लिए गुरु के प्राण अटके हुए होते हैं। योग्य शिष्य मिला कि वे उऋण हुये-तो मैंने मेरे पास जो कुछ था तुम्हे सौंप दिया। अब मैं कृत-कार्य हुआ-मेरी यात्रा यहीं तक की थी। अब 'मैं' तुम में उतर गया हूँ। गुरु शिष्य का रूपान्तरण करते हैं। गुरु से मिलने के बाद निश्चय ही शिष्य पहले जैसा नहीं रहता-उसका आभ्यंतर बदल चुका होता

है। गुरुजी आपके भीतर जड़ जमाये हुए अवसाद, कुंठाएं, मिथ्या सोच को, सम्यक् रूप से कहें तो, थोथे विकारों को निकाल बाहर करते हैं। गुरु के वाक्य भीतर ही भीतर कुछ रिपेयर जैसा करते हैं और बाहर कुछ निखार जैसा देते हैं-वे बेवजह हंसना सिखाते हैं- जब तुम गूंगे व्यक्ति की भांति वजह बेवजह हंसने लगते हो तो गुरुजी को आश्वस्ति होने लगती है- हां कलुषा जा रही है। प्रेम का बिरवा लहलहाने लगा हैं। भीतरी अमृत कुंड सजग होने लगा है। सुप्त पड़ी आंच सुलगने लगी हैं। लावण्य में ओज भर गया है। शब्द मर्म पाने लगे है। चीजें दूसरे ढंग से दिखने लगी हैं। दृष्टि उर्ध्वमुखी होने लगी है। चीजों के प्रति लापरवाही और उदासी प्रकट होने लगी है। भीतरी सुगन्ध के प्रति छटपटाहट और बढ़ गई है। गुरु भांप लेते हैं इन दशाओं को, उन्हें आप में यही तो चाहिए था। तुम भी तो इसलिए तो आए थे गुरु चरण रज को ग्रहण करने-अब वह असर दिखा रही है। भीतर की कस्तुरी सुवासित होने लगी है। अब तुम इसकी महक में रहोगे।

यह परिवर्तन इसलिए हुआ क्योंकि गुरु कृपा से पहले की दशा का निवारण हो गया। अब तुम पहले वाले हो ही नहीं। अब तुम्हारा सोच, विचार, क्रियाएं, आचरण कुछ भी तो पहले जैसा नहीं रहा। सब में एक सुधड़ता, तरतीब दिखाई देने लगी है। अब तुम्हारी दीनता कहीं भाग गई हैं। आत्म विश्वास ऐसा आया है, जैसे कोई परम धन मिल गया हो। सत्गुरु की कृपा मेघ की भांति सब शिष्यों पर एकसी बरसती हैं। पर, पूरम् पूरे भीगने वाले शिष्य थोड़े होते है। जो भीग गए- सो तर गए।

यहां इस उल्लेखनीय तथ्य की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि जो जाति समुदाय, मुक्ति की राह बताने वाले 'गुरु' से वंचित हैं-वे समुदाय निरंतर पतन के शिकार होते चले जाते हैं। उनमें आचरण शैथिल्य, और अज्ञानाधंकार तेजी से प्रसार पाने लगता है- वे नाना प्रकार के भ्रम के शिकार होने लगते हैं। अध्यात्म और धर्म के संस्कार तिरोहित होने लगते हैं। वस्तुतः गुरु पथ से च्युत होने से बचाते हैं, पर जिनके पास गुरु नहीं हैं, वे स्वच्छंद हैं- उन्हें पथ-कुपथ का सच्चा ज्ञान कराने वाला कोई नहीं होता। वे जो सोचते हैं केवल तुच्छ बुद्धि से ही सोचते हैं। उन्हें लोभ लाभ की कारा से कौन निकाले? विकारों के दल-दल से, विषमताओं के जंगल से कौन बाहर निकाले! वर्तमान युग तो बड़ा ही निराला है- हर आदमी अपने प्रति निश्शंक हो चला है, उसे स्वयं के डूबने की तनिक भी चिंता नहीं है, वह अपने प्रति एकदम आश्वस्त है। अपने आधे-अधूरे भौतिक ज्ञान से ही अपने को विद्वान समझता है। आध्यात्मिक चिंतन को वह चिंतन की कोटि में ही नहीं रखना चाहता। लेकिन सोचा जाए, आत्मिक विनाश से ऊपर कौन सा विनाश है? आत्म-ज्ञान गुरु प्रदान करते हैं-वे ही समझाते हैं कि तुम शरीर नहीं हो-तुम शुद्ध-बुद्ध परमात्म तत्त्व हो। ऐसे दया के आगार, निराधार के आधार, अज्ञान के पारावार। हाथ का सहारा देकर तारने वाले गुरु को कब तक भूले हुए रहेंगे?

विविध

आत्मा की सेहत का रास्ता

हमारी जींदगी में बहुत से ऐसे मोड़ आते हैं जहाँ हमें यह निर्णय लेना पड़ता है कि क्या हमें किसी व्यक्ति, स्थिति या संबंध के साथ बने रहना चाहिए, या फिर वहाँ से आगे बढ़ जाना चाहिए। अक्सर हम अपने स्वभाव, सामाजिक अपेक्षाओं या भावनात्मक जुड़ाव के कारण उन चीजों में उलझे रहते हैं जो हमारे अंदर धीरे-धीरे जहर घोलती हैं। लेकिन सच यह है, जिन चीजों से आत्मा को चोट पहुँचे, उनसे दूर जाना ही असली हिम्मत है।

ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको नीचा दिखाते हैं। हर इंसान को सम्मान और समझ की जरूरत होती है। पर कुछ लोग हमेशा आपको कमियों पर ध्यान देंगे, आपकी उपलब्धियों को नजरअंदाज करेंगे और आपको अपमानित करेंगे। ऐसे लोग न सिर्फ आपकी आत्म-विश्वास को तोड़ते हैं, बल्कि आपकी पहचान को भी धूमिल करते हैं। उनसे दूरी बनाना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान का संकेत है।

उन झगड़ों से दूर रहें जिनका कोई हल नहीं। हर विवाद जरूरी नहीं कि उसका समाधान हो। कुछ बहसें सिर्फ अहंकार की आग को भड़काने के लिए होती हैं, जहाँ सच्चाई और समझ की कोई जगह नहीं होती। ऐसे झगड़े आपकी मानसिक शांति को छीन लेते हैं। बहतर है कि ऐसे मौकों पर चुपचाप आगे बढ़ जाएं– क्योंकि शांति, जीत से कहीं अधिक कीमती होती हैं।

ऐसे लोगों को खुश करने की कोशिश मत करो जो आपकी कद्र नहीं करते। कुछ लोग चाहे आप कितना भी उनके लिए करें, फिर भी वो आपकी अहमियत नहीं समझते। अपनी ऊर्जा और प्यार उन लोगों पर खर्च करना जो उसे नहीं समझते, आत्मा को थका देता है। खुद को साबित करने की दौड़ से बाहर निकलना ही सच्ची आजादी हैं।

जो कुछ भी आपकी आत्मा को पीड़ा दे, उससे दूरी बनाना जरूरी हैं। जिंदगी छोटी है, और उसे सुकून और संतुलन के साथ जीना हमारा अधिकार है। चलना हमेशा भागना नहीं होता। कभी-कभी चल देना ही सबसे साहसी और समझदारी भरा कदम होता है। अपने मन और आत्मा की शांति के लिए जो भी करना पड़े – कीजिए। क्योंकि जिस दिन आप उन चीजों से दूरी बना लेंगे जो आपकी आत्मा को जहरीली करती हैं, उसी दिन से आपकी असली हीलिंग शुरू होगी।

जो आत्मा को जहर दे, उससे खुद को बचाना– सबसे बड़ी सेवा है खुद के प्रति।

(संकलित)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती सुमन अग्रवाल मे. अनुप स्टोर, पोस्ट-कूचा, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** अपर राजबाड़ी रोड, झारिया, धनबाद, झारखंड	**श्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता** नेहरू रोड, सरसापहाड़ी, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील कुमार रामरायका** डिमना रोड, मैंगो, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री वेदांत खीरवाल** मधु बाजार, चाईवासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री सुमित बगड़िया मारवाड़ी मोहल्ला, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** पंचेत रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री सुरेन्द्र खेमका** मे. खेमका मोटर, मेन रोड, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री सुशील कुमार शर्मा (मटोलिया)** लालजी हीरजी रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्रीमती विद्या अग्रवाल** पोस्ट-एडमा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री सुमित माहेश्वरी (सीए) ५०९, पंचवटी प्लाजा कॉम्पलेक्स, कचहरी रोड, रांची, झारखंड	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. महालक्ष्मी एजेंसी, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** जीटी रोड, तालडांगा, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती सुशीला सांघी** मे. अशोक मेडिकल, मील एरिया, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री विगन कुमार टिबड़ेवाल** मे. गणपति हैंडलूम, मेन रोड, चतरा, झारखंड
श्री सुमित डालमिया मानव अपार्टमेंट, कांके रोड, रांची, झारखंड	**श्री सुनील कुमार भालोटिया** बाबूपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दुमका, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** पंचवटी आइवीवाई अपार्टमेंट, रामगढ़, झारखंड	**श्रीमती स्वाति रानी** संगम विहार, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री विजय कानोड़िया** तिलकरैडीह, गोविन्दपुर, धनबाद, झारखंड
श्री सुमित गोयल गिलन पाड़ा, राधा माधव मंदिर के पास, दुमका, झारखंड	**श्री सुनील कुमार गुप्ता** १४९, डालडा लाइन, साकची बाजार, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** इंद्राटांडी वार्ड नं.-२, सरायकेला, झारखंड	**श्रीमती श्वेता चौधरी** कशीड़ी साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री विजय कुमार** नीलांचल कॉलोनी, कलाकुसुम, धनबाद, झारखंड
श्री सुमित झुनझुनवाला आईएमएस रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुनील कुमार जैन** जैन गैस कंपनी, बरमसिया, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (पोद्दार)** कतरास रोड, मटकुरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री तुषार अग्रवाल** कालीमंदा सिवलीबारी, कुमारधुली, धनबाद, झारखंड	**श्री विजय कुमार अग्रवाल** मेन रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री सुमित कुमार अग्रवाल भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री सुनील कुमार जैन** मकटपुर रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार बुधिया** रिशाल कटरा, बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री उदय कुमार लोढ़ा** बिहार ट्रेडिंग कंपनी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री विजय कुमार गोयल** गोविंद नगर, कदमा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री सुमित कुमार भुदोलिया राजेन्द्र नगर, बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुनील कुमार केडिया** वृंदावन अपार्टमेंट, ४ फ्लोर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार चौधरी** ३/२०७, तुइलाडुंगरी, बी ब्लॉक, गोलमुरी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री उदित डालमिया** दर्जी मोहल्ला, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विक्रम पसारी** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री सुमित कुमार चौधरी संजय चौक, वार्ड नं.-८, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री सुनील कुमार खंडेलवाल** दादी भवन, १ फ्लोर, कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार गोयल** मे. ग्रामीण बाजार, करगली बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती उमा देवी अग्रवाल** मे. शंकर शम्भू क्लॉथ सेंटर, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** मे. सत्यम रिफ्रेक्ट्रीज, निरसा, धनबाद, जारखंड
श्री सुमित कुमार देबुका ८, स्ट्रेट माइल रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**सुनील कुमार सरावगी** बेलाहाथी रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार नारेडी** आशियाना गार्डन, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री उमा शंकर शर्मा** रुंगटा कॉलोनी, स्टेशन रोड, चाईबासा, प. सिंहभूम, झारखंड	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** हरि ओम रेजीडेंसी, सर्कुलर रोड, लालपुर, रांची, झारखंड
श्री सुमित कुमार महलका माँ कालिंदी एन्क्लेव, रातू रोड, रांची, झारखंड	**श्री सुनील मुरारका** न्यू कॉलोनी, टुंगरी, चाईबासा, झारखंड	**श्री सुशील अग्रवाल** गणपति कुंज, नर्सरी रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री उमंग अग्रवाल** शिव मंदिर लाइन, कालीमाटी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री विकास कुमार जैन** द्वारा- रेशमा भंडार, बाजार रोड, पीटरबार, बोकारो, झारखंड
श्री सुमित मोदी ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री सुनील नारनोली** मे. एट्राकॉन कॉर्पोरेशन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील दोदराजका** छोटा निमडीह, बाड़ा चौक, चाई-बासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री उत्तम कुमार अग्रवाल** मे. श्री सती ट्रेडिंग, गांधी चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विकास शर्मा** शर्मा हाउस, डॉक्टर लेन, मकटपुर, गिरिडीह, झारखंड
श्री सुमित पटवारी यामहा शोरूम, भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री सुनील प्रसाद** रॉयल पाम, मेमको मोड़, दैया रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** बैंक कॉलोनी, मनईटड, धनबाद, झारखंड	**डॉ. उत्तम कुमार जालान** जीवन धारा नर्सिंग होम बोड़ो, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विकास अग्रवाल** जे एम पी चौक, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री सुनील अग्रवाल आईसीआर रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुनील शर्मा** कृष्णा गली नं.-२, मैजपुर नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** रेखा-बुटीक, बक्सी बांध रोड, दुमका, झारखंड	**श्री उत्तम कुमार मोदी** ठाकुरबाड़ी रोड, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री विकास अग्रवाल** बैंक मोड़, पीएचवीएस आर ओ, बोकारो, झारखंड
श्री सुनील छपोलिया शेरे पंजाब चौक, सरायकेला, आदित्यपुर, झारखंड	**श्रीमती सुनीता खेड़िया** चंद्रबली उद्यान, काशीडीह, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** विश्वकर्मा लाइन, गोलमुरी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती वंदना खोवाल** सागर कुंज, रोड लालपुर, रांची, झारखंड	**श्री विकास बगड़िया** पावर हाउस रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री सुनील गोयल कतरास रोड, मटकुरिया, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती सुनीता सेक्सरिया** बासुदेवपुर पंडरा रोड, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री सुशील कुमार चौधरी** मे. शुभम हैंडलूम, चंदौरी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री वरुण झुनझुनवाला** बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विकास गोयल** आंगन अपार्टमेंट, काजू बागान, पिस्का मोड़, रतू रोड, रांची, झारखंड
श्री सुनील केडिया बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सूरज अग्रवाल** गोला रोड, चट्टी बाजार, रामगढ़, झारखंड	**श्री सुशील कुमार गद्यान** मे. अरूण रिफ्रैक्ट्रीज, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री वेद प्रकाश छपाड़िया** बंशीधर अरकिया रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री विकास जालान** मे. विकाश इंटरप्राइजेज, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री सुनील कुमार अग्रवाल गणपति अपार्टमेंट, १ फ्लोर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल** हरयाणा कॉलोनी, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री सुशील कुमार पारीक** गांधी टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री वेद प्रकाश मुरारका** पिंजरापोल गौशाला, हरमू रोड, रांची, झारखंड	**श्री विकास कौंतिया** कादिर मार्केट, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री विकास कुमार अग्रवाल कशीडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** ३२/ए, शिव सिंह बगान, एग्रीको, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अक्षय राजगढ़िया** बीएलआर-१ बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** गोला रोड, चट्टी बाजार, रामगढ़, झारखंड	**श्री अर्जुन अग्रवाल** मे. अर्जुन स्टोर, कदमा जे. एस.आर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री विकास कुमार अग्रवाल चंद्रबली उद्यान, ए ब्लॉक, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** मेन रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री आलोक कुमार अग्रवाल** नॉर्थ मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल (बिट्टू)** जी.टी. रोड, निरसा काटा, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल** कार्ट सराय बाय लेन, भूइया टोली, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री विकास कुमार अग्रवाल निरसा भंबल, अग्रसेन भवन के पास, धनबाद, झारखंड	**श्री विनोद कुमार खंडेलवाल** काली बाड़ी चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री आलोक कुमार खंडेलवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल (खतूड़िया)** मे. ए.के. अगरवाला एंड संस, राजबाड़ी रोड मोड़, धनबाद, झारखंड
श्री विकाश कुमार अग्रवाल सुभाष चौक, टुंगरी, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री वीरेंद्र कुमार मूनका** नं.-१३, साकची मील एरिया, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री आलोक कुमार रुंगटा** टॉडलर्स ४बी, एल.जी. श्री राम प्लाजा, धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल कुमार गोयल** कॉलेज रोड मुर्मी कला, रामगढ़, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार भालोटिया** एम.आर.एफ. शोरूम के पास, गिलन पाड़ा, दुमका, झारखंड
श्री विकाश कुमार अग्रवाल लोहार टोला, रामगढ़ कैंट, रामगढ़, झारखंड	**श्री विशाल सिंघानिया** टुंडी रोड, तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमन पोद्दार** ४०४, ट्रेड सेंटर, मैक रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री अनिल कुमार पटवारी** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अर्जुन प्रसाद अग्रवाल** मे. अर्जुन स्टोर, पो.ओ.-डुगनी, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विकास कुमार अग्रवाल न्यू रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** ४८, गोलमुड़ी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमर कुमार अग्रवाल** टुंडी रोड, दर्जी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती अनिता अग्रवाल** मेन रोड, सिनी बाजार, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल** फ्लैट नं.-८०८, गार्डेन सिटी, एल.सी. रोड, धनबाद, झारखंड
श्री विकाश कुमार अग्रवाल कटारया, नगरी, रांची, झारखंड	**श्री विष्णु कुमार चिरानिया** टुंगरी, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अमित अग्रवाल** फेज वन आदित्यपुर, सरायकेला-खरसावां, आदित्यपुर, झारखंड	**श्रीमती अनिता अग्रवाल** सिनी बाजार, जिला-सरायकेला, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार चौधरी** गैरेज चौक, वार्ड नं.-८, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विकाश कुमार जैन मे. संजय स्टोर, बीबीसी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विष्णु कुमार केडिया** तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित अग्रवाल** मे. आर.बी. ट्रेडर्स, नॉर्थ मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्रीमती अंजना भुवानिया** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार साबू** मे. शक्तिपुंज ट्रैवल्स, मेन रोड, खुंटी, झारखंड
श्री विकाश कुमार जालान बड़ा चौक, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विवेक अग्रवाल** ४५, गोलगुड़ी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमित खेतान** झंडा चौक, रांची-पटना रोड, झुमरी तिलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री अंकित बगड़िया** एल आई सी ऑफिस बिल्डिंग बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अरूण कुमार शर्मा** मे. विशाल ड्रेसर्स, करगली बाजार, बोकारो, झारखंड
डॉ. विकास कुमार केडिया ताह कॉम्प्लेक्स, गांधी चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विवेक अग्रवाल** मिस्तीपाड़ा, हीरापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित खोवाल** कंपाउंड पीस रोड, लालपुर, रांची, झारखंड	**श्री अंकित कुमार भुवानिया** गाँव- जरमुंडी जिला, दुमका, झारखंड	**श्री अरविंद कुमार अग्रवाल** मे. आरोग्य फुड्स, रंगाटांड, धनबाद, झारखंड
श्री विकाश मोदी मे. शिव टेक्सटाइल्स, मकटपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री विवेक कुमार अग्रवाल** विजय नगर, गोलमुड़ी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मधुकन होटल के पास, जी.टी. रोड, गोविन्दपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप गोयल** मे. श्री कल्याणी शॉ मिल, मेन रोड, सरायढेला, धनबाद, झारखंड	**श्री आर्यन शर्मा** श्याम मंदिर, मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विकाश मोदी मे. मोदी सैनिटरी, पूर्णिया रोड, नामकुम, रांची, झारखंड	**श्री विवेक पुरोहित** इंडस्ट्रियल एरिया, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** ४१९, ४ फ्लोर, ओजोन सेंटर, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** १ फ्लोर डी.डी. हाउस, सोना पट्टी पर, झारी, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती आशा अग्रवाल** वार्ड नं.-७, सरायकेला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विकाश सरावगी पार्वती निकेतन, बेलाहाथी रोड, खुंटी, झारखंड	**श्री यश कुमार अग्रवाल** रामलीला मैदान, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमित कुमार भुवानिया** गाँव-जरमुंडी जिला, दुमका, झारखंड	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** मे. अनुप स्टोर, कुचा सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री आशीष अग्रवाल** पेट्रोल पंप, म्युनिसिपैलिटी चौक, दुमका, झारखंड
श्री विकाश सोंथलिया २बी, अरावली, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अभिषेक नरसरिया** श्री रानी सती मार्केट, लालाजी हिरजी रोड, रांची, झारखंड	**श्री अमित कुमार चौधरी** काशीडीह साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री अनुप कुमार केजरीवाल** केजरीवाल हाउस, थाना रोड, झरिया, धानबाद, झारखंड	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** मे. श्री राम ऑटोमोबाइल शोरुम, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विमल भालोटिया श्याम प्लाजा, सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री आदर्श चौधरी** १८, गोला रोड, बुनियादी स्कूल के पास, रामगढ़, झारखंड	**श्री अमित कुमार जैन** डाक बंगला रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री अनुराग हिम्मतसिंगका** मे. मीरा ट्रेडर्स, भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री आशीष कुमार जैन** जैन मंदिर स्ट्रीट नं.-२, स्टेशन रोड, कोडरमा, झारखंड
श्री विनय कुमार रिटोलिया वाली गली, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री अजय अग्रवाल** मे. शंकर फ्लावर मिल, भुंजा पट्टी, झड़िया, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित कुमार सरायवाला** नया बाजार जुगसलाई, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री अनुराग मोर** टेलीफोन एक्सचेंड रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री अशोक चौधरी** मे. चौधरी हार्डवेयर, धर्मसांई रोड, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री विनीत जालान श्याम कुंज, एस.आई.आर, जे सी बोस रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजय कुमार गर्ग** २११ई, २ फ्लोर, ओजोन प्लाजा, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित पोद्दार** बेलाहाथी रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री अनुराग सोमानी** नारायणी कृष्ण निवास, श्याम बाबा, झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार जैन** कर्रा रोड, खूंटी, झारखंड
श्री विनेश बगाड़िया बगड़िया हाउस, बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजय कुमार केडिया** लक्ष्मीणया मोड़, सब्जी पट्टी रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** सिनी बाजार, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार दलान** फ्लैट ७ई, द गौरी रेसीडेंसी, दुधानी, दुमका, झारखंड	**श्री अशोक कुमार खंडेलवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, मेन रोड, चतरा, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री अशोक कुमार मंगल रोड नं.-४ के सामने, अशोक नगर, रांची, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** अपर बाजार रोड, राजमाता कॉलोनी, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री दीपक कुमार सेक्सरिया** टाटा कांट्रा मोड़ रोड, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्रीमती एकता अग्रवाल** सिनी, सरायकेला, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री जितेन्द्र टिबड़ेवाल** ८५, अड्डी बंगलो रोड, झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड
श्री अशोक कुमार पंसारी ट्रिनिटी गार्डन, हिंदुस्तान प्रेस लेन, धैया, धनबाद, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** कदमा मार्केट, कदमा, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री दीपक कुमार शर्मा** कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री गजानंद अग्रवाल** सेंट्रल कॉलोनी, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री जितेन्द्र जैन** मे. पी.जे. इंटरप्राइजेस, मेन रोड, चतरा, झारखंड
श्री अश्वनी शर्मा सत्यनारायण मंदिर, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार गोयल** मे. गोयल साड़ी कलेक्शन, केंदुआपुल, कुसुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री दीपक नारनोली** मे. शाकम्भरी कैनवास, जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री गणेश बंका** आदर्श विहार, लक्ष्मी नारायण निवास, धनबाद, झारखंड	**श्री जॉनी अग्रवाल** मे. जॉनी स्टोर, स्टेडियम रोड, सराकेला-खरसावां, झारखंड
श्री आत्माराम सराफ धर्मशाला रोड, दुमका, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार सिंघल** कृषि बाजार समिति, बरवाअड्डा, धनबाद, झारखंड	**श्री दीपक शर्मा** कासिडीह साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री गौरव गवनपुरिया** ९, मिल एरिया, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री कैलाश कुमार मोदी** मे. मोदी साड़ी हाउस, मेन रोड, दुमका, झारखंड
श्री अवधेश मित्तल गोपी लेन, पामरगंज, लोहरदगा, झारखंड	**श्री बिशाल सेक्सरिया** लहरी टोला, वार्ड नं.-७, सरायकेला-खससावां, झारखंड	**श्री धीरज खेतान** रतनजी रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री घनश्याम हेलीवाल** ३०२, मंगल कुंज अपार्टमेंट, भेलाटांड रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री कमल कुमार अग्रवाल** मे. कमल भंडार, सब्जी पट्टी, मेन रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड
श्री आयुष अग्रवाल (माधोगढ़िया) राधा कृष्ण अपार्टमेंट, कतरास रोड, मटकारिया, धनबाद, झारखंड	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** वार्ड नं.-१, स्टेडियम रोड, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री दिलीप अग्रवाल** मे. गोकुल वरायटी, मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री गोपाल चौधरी** मे. गोपाल स्टोर, मेन रोड, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री कमल कुमार चौधरी** मे. आयुष इंटरप्राइजेज, धर्मशाला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्रीमती बबीता अग्रवाल संदीप मेडिकल स्टोर के पास, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री बिट्टू शर्मा** यूको बैंक साकची शाखा, ८२, टैंक रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दिलीप खेतान** मे. श्री राम एजेंसी, महती मार्केट, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री गोपाल कदमिया** पार्क मार्केट, झरनापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री कमलेश अग्रवाल** शक्ति डीलक्स, शक्ति प्लाजा, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड
श्रीमती बबली अग्रवाल मे. महालक्ष्मी एजेंसी, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री बृजमोहन अग्रवाल** मे. बंटी स्टोर, वार्ड नं.-७, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** धर्मशाला रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** मे. बी. के. इंटरप्राइजेस, श्याम बाजार रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती कंचन अग्रवाल** मांझी टोला, आदित्यपुर, झारखंड
श्री बजरंग लाल अग्रवाल (डोकानिया) शंकर टॉकीज के पास, कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** २०५, २ फ्लोर, मेन बिल्डिंग, शांति भवन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार झुझारसिंहका** धर्मशाला रोड, दुमका, झारखंड	**श्री गौरव सिंघानिया** टुंडी रोड, तिरंगा चौक के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कन्हैया राजगढ़िया** मे. बाबा ट्रेडिंग कंपनी, मेन रोड, लोहरदगा, झारखंड
श्री बसंत लाखोटिया चंद्रलोक अपार्टमेंट, कोर्ट रोड, रांची, झारखंड	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** होल्डिंग जे. ए/२, विजयगढ़, गोलपुरी, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** पो.-सिनी, सरायकेला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री गोविंद कुमार अग्रवाल** राजहंस मेंशन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती कांता देवी सेक्सरिया** सिनी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री भगवान अग्रवाल वंचित रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री चंदन कुमार गोयल** बरवाटोली, लोहरदगा, झारखंड	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** स्टाइप, इंडस्ट्रियल एरिया, आदित्यपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री हरीश कुमार सुल्तानिया** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री कपूर चंद अग्रवाल** रतनजी रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री भवानी शंकर अग्रवाल न्यू रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री चंदन कुमार रूंगटा** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री दिनेश कुमार खेमका** मे. खेमका हार्डवेयर, न्यू रोड, साहिबगंज, झारखंड	**श्री हेमंत सिंह दुग्गड़** मे. दुर्गा कॉम्प्लेक्स, झंडा चौक, झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार** बंसल हाउस, किलबर्न कॉलोनी, हिनू, रांची, झारखंड
श्री भीखम चंद केडिया गनमोय कॉलोनी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री चंद्रशेखर प्रसाद अग्रवाल** मे. गीता जनरल स्टोर, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री दिनेश कुमार मेहरिया** नया पाड़ा, दुमका झारखंड	**श्री हितेश खंडेलवाल** २सी, मारूति टावर, तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार पोड़िया** राधा गोविंद स्ट्रीट, थारपखना, रांची, झारखंड
श्री बिजय तुलस्यान स्वास्तिक कॉम्प्लेक्स, मेन रोड, सरायकेला, धनबाद	**श्री चंद्रेश अग्रवाल** श्याम ब्यूटी, कनीर सिनी बाजार, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री दिनेश सारस्वत** संपत कॉम्प्लेक्स, बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री ऋतिक सरावगी** सोनार गली, अपर बाजार, रंगीला मेगा मार्ट, रांची, झारखंड	**श्री कृष्ण मुरारी** हरि सभा रोड, दुमका, झारखंड
श्री बिकास रूंगटा डैम रोड चांडाल, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री चेतन अग्रवाल** न्यू बारहद्वारी, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री दीपक कानोड़िया** मे. बालाजी इंडस्ट्रीज प्रा. लि. धनसार, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती इंदिरा विजय** लक्ष्मी नारायण निवास, मिस्त्री मोहल्ला, डोरंड, रांची, झारखंड	**श्री कुणाल कुमार मोदी** बामनटोली रोड, होटल फ्रेश के बगल मे, गिरिडीह, झारखंड
श्री बिमल अखेरामका पंजाबी मोहल्ला, मटकुरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री दीपक अग्रवाल** श्याम कॉम्प्लेक्स, चट्टी बाजार, रामगढ़, झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** बेहरासाई, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री जलज चौधरी** मे. मुग्मा कोक प्राइवेट लिमिटेड, मुग्मा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती कुशुम चौधरी** मे. के.सी. इंटरप्राईजेज, संजय चौक, सरायकेला-खरसावां, झाझखंड
श्री बिमल कुमार चौधरी गैरेज चौक, सरायकेला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मे. ओम मेडिकेल हॉल, बोकारो, झारखंड	**श्री दीपक कुमार गोयल** मे. पूनम वस्त्रालय, मेन रोड, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** ए-३०३, बालाजी एन्क्लेव, शास्त्री नगर, धोवाटांड, धनबाद, झारखंड	**श्री ज्योति शर्मा** मे. ज्योति सीमेंट, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री बिमल कुमार केडिया रानी सती मार्केट, मेन रोड, पचम्बा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री दीपक कुमार खंडेलवाल** मे. विकाश ऑटो मोबाईल हाई स्कूल रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्रीमती एकता अग्रवाल** मे. अमित स्टोर, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री जीतेन्द्र अग्रवाल** मे. मित्ताई मोटर्स, मेन रोड, राजबंद, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री लक्खी प्रसाद गौरसरिया** मे. अंजना मिनरल्स कंपनी, कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री ललित गड़वाल (अग्रवाल) राम टेकरी रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** रांची पटना रोड, झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार तुलस्यान** मे. मनोज भंडार, चतरा, झारखंड	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** राधा रानी, रांगाटांड़, धनबाद, झारखंड	**श्री निशांत कुमार सराफ** मे. न्यू राज स्टेशनर्स शास्त्री चौक, लोहरदगा, झारखंड
श्री ललित कुमार अग्रवाल मे. शक्ति क्लॉथ स्टोर, करगली बाजार, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री मनीष कुमार जैन** लोबिन बागान रोड नं.-३, डाक बंगला रोड, खुंटी, झारखंड	**श्रीमती मीनू अग्रवाल** मे. श्याम भंडार, नेहरसाह, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री नरेश कुमार भालोटिया** मे. जे. सी. इंटरप्राइजेज भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. ओम मार्बल, वार्ड नं.३ सरायकेला, खरसावां, झारखंड
श्रीमती ललिता देवी अग्रवाल ३१, वृंदावन सोसाइटी, नेहरू रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री मनीष मूनका** १३७ एसएनपी ऐरिया, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती मीरा अग्रवाल** सिनी बाजार, सरायकेला-खरसावां पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री नरेश कुमार मिश्रा (पंडित)** अपर राजबाड़ी रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** मे. एस.आर. टेक्सटाइल मनाइटैंड, धनबाद, झारखंड
श्रीमती ललिता खंडेलवाल मारवाड़ी मोहल्ला, मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री मनीष राजगढ़िया** लोहरदगा रोड, महावीर चौक, लोहरदगा, झारखंड	**श्री मोहन कानोड़िया** मे. बिहार स्टील इंटरप्राइजेज बस्ताकोला, धनसार, धनबाद, झारखंड	**श्री नवदीप खेतान** कांड्रा इंडस्ट्रियल ऐरिया, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश राजगढ़िया** मेसर्स राजगढिया सैनिटरी हरमू, रांची, झारखंड
श्री लक्ष्मीचंद दीक्षित कौशल्या भवन, विधानगढ़, हरमू रोड, रांची, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. राधिका स्टोर, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री मोहन कुमार अग्रवाल** होटल वीआईपी कॉम्प्लेक्स, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री नवीन पांडया** ३८, डॉक्टर स्ट्रीट, झुमरी तिलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री पंकज कुमार गोयल** मेसर्स श्री कल्याणी शॉ मिल, मेन रोड, सरायढ़ेला, धनबाद, झारखंड
श्री लोकेश कुमार अग्रवाल वॉलनह अपनो घर, भुईफोर, धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्याम भंडार, बिहार साई, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री मोहन कुमार सेक्सरिया** मे. गृहस्थी भंडार, लहरी टोला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री नवीन कुमार जैन** निखर स्टेशन रोड झुमरी तिलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री परमानंद पसारी** चौक बाजार, मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसांवा, झारखंड
श्री लोकेश कुमार दारूका मे. श्री गणेश एजेंसी, टिन बाजार चौक, दुमका, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. मनोज किशन, जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री मोहन लाल बगेड़िया** पचम्बा, पोस्ट ऑफिस के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती नेहा अग्रवाल** चट्टी बाजार, गोला रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्री पवन अग्रवाल** बाजार सही टोला, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्रीमती माधुरी अग्रवाल निर्मल पथ, गम्हरिया, सरायकेला- खरसावां, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. जी.एम. ऑफिस (धारी) बोकारो, झारखंड	**श्री मृणाल कुमार अग्रवाल** मेन रोड, गम्हड़िया, सरायकेला - खरसावां, झारखंड	**श्रीमती निधि चौधरी** जीआर-१८ गोला रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्री पवन कमार अग्रवाल** मेसर्स पद्मावती स्टोर, धर्मशाला रोड, सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री महेंद्र कुमार जैन मेन रोड, चतरा झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जैन मोड़, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार भुवानिया** सृष्टि स्टोर, सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री निकेत राजगढ़िया** मे. राजगढ़िया सैनिटरी हरमू, राँची, झारखंड	**श्री पवन कमार अग्रवाल** २१२ बी, ब्लॉक सोनारी जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री महेश अग्रवाल पी.ओ.-अक्षदा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार बुबना** मे. रानी स्टोर, मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार सिंघानिया** मे. सिंघानिया इलेक्ट्रिकल, जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री निखिल अग्रवाल** डॉक्टर लेन, मकातपुर गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन कमार अग्रवाल** कासीदा घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री महेश आनंद शर्मा बरगंडा, पुराना पोल, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मनोज कुमार चौधरी** मे. श्री राम ट्रेडर्स, जेल रोड, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री मुकेश सोमानी** बी.एम. अगरवाला कॉलोनी, धनसार, धनबाद, झारखंड	**श्री नील कुमार जालान** मे. जालान स्टोर, मेन रोड चांडिल सरायकेला, खरसावां	**श्री पवन कु. अग्रवाल (गद्यान)** राधा कृष्ण अपार्टमेंट कतरास रोड, धनबाद, झारखंड
श्री महेश कु अग्रवाल (सांवरिया) मे. एल. जी. एसोसिएट, दुमरीहाड़, टिकिया पाड़ा, धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज कुमार चौधरी** ३२९, न्यू कालीमाटी रोड, साकची ज.एस.आर. पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मुकुंद केडिया (सी.ए.)** डोमना रोड मैंगो, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री नीरज केजरीवाल** मे. श्री पहाड़ी माता हार्डवेयर, बैंक मोड़, मटकुरिया रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कमार अग्रवाल** पोस्ट केसरगढ़िया, राज नगर पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री महेश कुमार छपोलिया बल्ले कॉम्प्लेक्स, भुइयांडीह, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार गोयल** मे. गोयल मेडिकल एजेंसी, जैना, बोकारो, झारखंड	**श्री मुन्ना अग्रवाल** पी.ओ. डूगनी, पी.एस. सरायकेला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री नीरज विजय** मिस्त्री मोहल्ला, डोरंडा रांची, झारखंड	**श्री पवन कुमार भालोटिया** श्याम बाजार रोड दुमका, झारखंड
श्रीमती ममता अग्रवाल ३७६ई न्यू लेआउट, सीताराम डेरा, एग्रिको, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार केडिया** मे. मनोज भंडार, अम्बेडकर कॉलोनी, धोरी, बोकारो, झारखंड	**श्री मुरारी लाल अग्रवाल** श्री गोपाल कॉम्प्लेक्स, कच्छरी रोड, रांची, झारखंड	**श्रीमती नीरूदेवी गोयल** बी-१०१, पंचवटी मुर्मीकला रामगढ़, झारखंड	**श्री पवन कुमार मकीम** सराय रोड, दुमका झारखंड
श्रीमती ममता अग्रवाल मे. संजय स्टोर, बेहरा साई, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री मनोज कुमार मित्तल** केंदुआ पूल, कुसुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री नारायण मोदी** १४-ए, शांति भवानी, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती निशा सिंघल** ४१, श्रीकुंज, राजेन्द्र नगर, साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री पवन कमार पसारी** मेन रोड, चाँडिल सरायकेला खरसावां, झारखंड
श्री माणिक चंद भूदोलिया मे. शिवम आयरन एंड स्टील कं. लि., बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मनोज कुमार रिटोलिया** सेंट्रल प्लाजा, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल** नवरंग मुहल्ला, सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री निशंक अग्रवाल** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन कुमार शर्मा** चिरकुंडा रेलवे क्रॉसिंग धनबाद झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री प्रदीप कुमार सुरेलिया एडी बंगला, पो-झुमरीतलैया कोडरमा, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार शर्मा** महावीर गली, टुंडी रोड गिरिडीह, झारखंड	**श्री पुलकित अग्रवाल** ९०४, प्रभु दर्शन, धनबाद, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अड्डूकिया** लालजी हिरजी रोड, रांची, झारखंड	**श्री राम प्रसाद अग्रवाल** प्रभु दर्शन, कलाकुसुम धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार वर्मा हरीकुंज अपार्टमेंट, सरायढेला धनबाद, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार तांबी** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम दास विजयवर्गीय** मिस्त्री मोहल्ला, डोरंडा रांची, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेसर्स-बाइक इंडिया भागलपुर रोड, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश राजगढ़िया** मेसर्स-राजगढिया सैनिटरी हरमू, रांची, झारखंड
श्री प्रदीप अग्रवाल (पप्पू) रेलवे क्रॉसिंग के पास चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रतीक कुमार अग्रवाल** धर्मशाला रोड, सरायकेला- खरसावां, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल** तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेसर्स-गोयल ट्रेडिंग कंपनी दुमका, झारखंड	**श्री पंकज कुमार गोयनका** मेसर्स-श्री कल्याणी शॉ मिल सरायढ़ेला, धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल शिव मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रवीण अग्रवाल** मेसर्स-स्टूडियो कैलाश बोकारो, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम लाल सेक्सरिया** मेन रोड, सिनी बाजार, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री राजेश कुमार चौधरी** ४७९/२२, कशिडीह, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री परमानंद पसारी** चौक बाजार, मेन रोड सरायकेला-खरसांवा,झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मेसर्स-शुभम हार्डवेयर डाक बंगला रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री प्रवीण जैन** डाक बंगला, मेन रोड खूंटी, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** बड़ा ठाकुर रोड, दुमका झारखंड	**श्री राजेश कुमार गुड़गुटिया** मेसर्स-कल्याण फार्मा चंदौरी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन अग्रवाल** बाजार सही टोला, सरायकेला-खरसावां,झारखंड
श्री प्रदीप कुमार बुधिया चाईबासा रोड, सरायकेला- खरसावां, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** रिलायबल शोरूम धनबाद, झारखंड	**श्रीमती पुष्पा पारीक** सोनरी, जमशेदपुर, टाटानगर पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजेश कुमार मोदी** मेसर्स-केसर मोदी मेन रोड, दुमका, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मेसर्स-पद्मावती स्टोर सरायकेला-खरसावां, झारखंड
श्री प्रकाश अग्रवाल हरियाणा कॉलोनी, चिरकुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण पंसारी** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री पुष्पमाल अग्रवाल** मेसर्स-रोहित फैशन पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजेश कुमार सिंघल** मेसर्स-राजेश ट्रेडिंग कंपनी चंद्रपुर, बोकारो, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** २१२ बी ब्लॉक सोनारी पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रकाश खेतान बस स्टैंड चांडिल,सरायकेला -खरसावां, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** मेन रोड, सरायकेला- खरसावां, झारखंड	**श्री राघव गोयनका** मेसर्स-पप्पू स्टोर सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री राजेश कुमार वर्मा** सोनारी, जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** कासीदा घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल रतन जी रोड, पुराना बाजार धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण अग्रवाल** सरायकेला-खरसावां, झारखंड	**श्री राहुल कुमार बसईवाला** टुंडी रोड, गिरिडीह झारखंड	**श्री राजीव कुमार जिंदल** तिवारी गली, बैंक मोड धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** राधा कृष्ण अपार्टमेंट कतरास रोड, धनबाद, झारखंड
श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल ११६, नवरंग मार्केट, जादूगोड़ा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल** न्यू सीताराम डेरा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजकुमार अग्रवाल** ३डी, गैलेक्सी अपार्टमेंट शास्त्री नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री राजकुमार अग्रवाल** मेसर्स-गणेश ऑटो कांता टोली चौक, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** पोस्ट केसरगढ़िया, राज नगर पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रकाश कुमार पोद्दार सुरेश बाबू स्टेट, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री पृथ्वीराज चौधरी** विष्णु विल, ४३, नवीन लालपुर, रांची, झारखंड	**श्री राजकुमार अग्रवाल** २३ए,ब्लॉक, कदमा मार्केट पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजकुमार गोयनका** सराय रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री पवन कुमार भालोटिया** श्याम बाजार रोड दुमका, झारखंड
श्री प्रमोद अग्रवाल केंदुआ पुल, कुसुंडा धनबाद, झारखंड	**श्रीमती प्रीति गोयल** फ्लैट नंबर-४०१, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री राजकुमार सारस्वत** जुगसलाई पाड़ा रोड पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजकुमार मोदी** पुराना पुलिस क्लब रोड दुमका, झारखंड	**श्री पवन कुमार मुकीम** सराय रोड, दुमका झारखंड
श्री प्रमोद जालूका दाल पट्टी, जालूका हाउस झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती प्रीति नरसरिया** लालजी हीरजी रोड, रांची, झारखंड	**श्री राजीव जैन** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा झारखंड	**श्री राकेश अग्रवाल** मिट्ठू रोड, बैंक मोड धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कुमार पसारी** मेन रोड, चांडिल सरायकेला- खरसावां, झारखंड
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल रजबाड़ी रोड, झरिया धनबाद, झारखंड	**श्रीमती प्रीति तुलस्यान** मेसर्स-मनोज भंडार मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री राजीव रंजन** मेसर्स-न्यू श्री गणेश बाइक लोहरदगा, झारखंड	**श्री राम अवतार प्रसाद विजय** डोरंडा काली मंदिर रोड, रांची, झारखंड	**श्री पवन कुमार शर्मा** चिरकुंडा रेलवे क्रॉसिंग धनबाद, झारखंड
श्री प्रमोद कुमार बगड़िया मारवाड़ी टोला, अपर बाजार रांची, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका गोयल** मेन रोड, सीनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजेंद्र खेड़िया** पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राम गोपाल पालीवाल** चंदन नगर, पुलिस लाइन गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन मुरारका** मेसर्स-विष्णु हार्डवेयर अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री प्रमोद कुमार सरायवाला जुगसलाई, जमशेदपर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका खंडेलवाल** गुरु नानक मोहल्ला, रामगढ़, झारखंड	**श्री राजेंद्र प्रसाद बसईवाला** सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री रामलाल विजय** विजयवर्गीय भवन, तुलसी चौक, रांची, झारखंड	**श्री पवन शर्मा** चौक बाजार, मेन रोड चांडिल, सरायकेला-खरसावां

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th October, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com